आप सभी प्रिय बंधुओं से निवेदन है
कि आज सायं 7 बजे
तक सपरिवार
टी टी नगर दशहरा मैदान पधारें
और बैसाखी मेले का आनंद लें।

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 240/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, रविवार 16 अप्रैल 2023 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

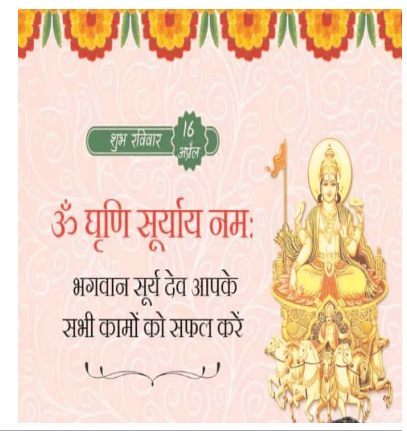

सांध्यप्रकाश विशेष

इमरती देवी ने सिंधिया को सीएम संबोधित किया, फिर बोला बजरंगबली ने जुबान से निकलवाया

ग्वालियर। ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए नेताओं में यदि किसी को सिंधिया का कट्टर समर्थक कहा जाए, तो निश्चित रूप से वे मध्यप्रदेश लघु उद्योग

निगम की अध्यक्ष और भाजपा की नेता इमरती देवी ही होंगी। इसलिए कि वे सिर्फ अपने समर्थन की कट्टरता ही नहीं दिखाती, उतनी ही वाचाल भी है। सिंधिया को मुख्यमंत्री कहने से भी वे कभी नहीं चूकती ! वे पहले भी सिंधिया को मुख्यमंत्री बता चुकी है और आज फिर ग्वालियर में यही हुआ। उन्होंने मंच पर बैठे ज्योतिरादित्य सिंधिया को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री कहा। बाद में जब मीडिया ने इस पर उनसे सवाल पूछे तो उनका कहना था यह भगवान की मर्जी है उन्होंने मुंह से निकाल दिया। लेकिन, बाद में अपनी बात को संभालते हुए यह भी कहा कि जो दिल्ली में हमारे नेता बैठे हैं, वह तय करेंगे कि मुख्यमंत्री कौन बने ग्वालियर में भाजपा की संभागीय समिति की बैठक में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की मौजूदगी में इमरती देवी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा 'हमारे मुख्यमंत्री हमारे नेता श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया।' इन दोनों वाक्यों के बीच में इमरती देवी एक बार सिंधिया की तरफ देखकर मुस्कुराईं और फिर आगे बोलती चली गईं। जब इमरती देवी से सिंधिया के मुख्यमंत्री बनने के सवाल पर उनसे पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह तो बजरंग बली जी की कृपा है। जो निकल जाए सो निकल जाए।

उमंग सिधार को कर्नाटक का पर्यवेक्षक बनाकर हाईकमान ने कई संदेश दिए

धार जिले की गंधवानी विधानसभा के कांग्रेस विधायक उमंग सिंघार को पार्टी हाईकमान ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पर्यवेक्षक बनाकर भेजा। उन्हें देशभर में कांग्रेस के करीब 60 सक्रिय नेताओं में एक माना गया, जो कर्नाटक में कमाल करने की काबलियत रखते हैं। पार्टी ने उमंग सिंगार को हाल ही में हुए हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनाव में भी पर्यवेक्षक बनाकर भेजा था और उसके नतीजे सामने हैं। वहां कांग्रेस की सरकार बनी। इसी उम्मीद से हाईकमान ने एक बार फिर उमंग के उत्साह को कर्नाटक में आजमाने की कोशिश की है।

वैसे तो राजनीति में अनिश्चितता का कोई ठिकाना नहीं। पर, योग्यता का तो है। राजनीति में उतार-चढाव भी उसी प्रकार आते-जाते रहते है जैसे सुर्योदय और सूर्यास्त। राजनीति में काम करने वाले लोग भी इस तिलस्म से नावाकिफ नहीं होती।

मामला पश्चिमी मध्य-प्रदेश के धार जिले के कद्दावर कांग्रेस नेता उमंग सिधार का है। उन्हें हाईकमान ने कर्नाटक चुनाव का पर्यवेक्षक बनाकर यह संदेश देने की कोशिश की हैं कि वे आज भी पार्टी हाईकमान के लाडले नेताओं में हैं। हाईकमान उनकी राजनीतिक क्षमता और समझ से भली भांति परिचित है। उमंग सिंघार को कांग्रेस की राजनीति में तेजी से उभरने वाले नेताओं में गिना जाता है, जिन्होंने अपने 20 साल के राजनीतिक जीवन में पांच चुनाव लड़े। वे 2 आर लोकसभा और 3 विधानसभा लडकर अपनी योग्यता साबित की।

कहा जाता है कि सफल आदमी को रोकने के लिए हथकंडे भी कम नहीं आजमाए जाते। वही सब उमंग सिंघार के साथ भी हुआ। पिछले दिनों उनके पत्नी विवाद को राजनीति में जमकर हवा दी गई। पुलिस रिपोर्ट लिखवाकर राजनीतिक जीवन को नुकसान पहुंचाने की हर संभव कोशिश की गई। तब लोग मान बैठे थे कि उनकी चाल सही निशाने पर बैठी और अब उमंग सिघार का राजनीतिक जीवन रसातल में चला जाएगा। राजनीतिक विरोधियों ने भी इस मामले को हवा देने में कोई कसर नहीं छोड़ी !

इसके बावजूद हाईकमान का उमंग पर विश्वास नहीं डिगा।कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए जारी पर्यवेक्षकों की सूची में उमंग सिधार को शामिल करके यह संदेश दिया गया कि पार्टी को इस आदिवासी नेता की प्रतिबद्धता पर पूरा विश्वास है। इस एक घटना से उन राजनीतिक विरोधियों के भी मुंह बंद हो गए जो अपनी चाल को सफल मान बैठे थे।

इसे संयोग कहिए या कोई सोचा समझा षड्यंत्र कि सिंघार मुसीबत में भी तब आए, जब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी अपनी 'भारत जोडो यात्रा' लेकर मालवा के इस इलाके से गुजरने वाले थे। विरोधियों ने उस समय हाईकमान और राहुल गांधी की नजरों में इस आदिवासी नेता को गिराने के लिए ये षड्यंत्र चला। जाहिर है कि यह सब विरोधियों ने करतूतें थी और वे मान बैठे थे कि उमंग सिधार अब घर बैठ जाएंगे। लेकिन, कर्नाटक के पर्यवेक्षकों कि सूची यह संदेश देने में कामयाब रही कि उमंग सिघार जिस तरह आदिवासियों के दिलों में बसे हैं, वैसे ही हाईकमान पर भी उनका आशीर्वाद बना हुआ है।

उमंग सिंघार के मामले में कांग्रेस की इस लंबी सोच को राजनीतिक पंडित भी उनके भविष्य के लिए बेहतर बता रहे है। क्योंकि, उमंग सिधार के मामले में यदि हाईकमान बेरुखी दिखाता, तो आदिवासियों में गलत सदेंश जाता। यही कारण है कि उन्हें हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनाव के बाद कर्नाटक चुनाव में भी बतौर पर्यवेक्षक भेजकर एक तीर से तीन निशाने साधे गए। एक तीर यह कि उमंग सिधार हाईकमान के प्रिय है, दूसरा यह कि जिस तरह राजनीतिके छवि बिगाड़ने की साजिश रची गई उसे पारिवारिक मसला मानकर गंभीरता से नहीं लिया गया। तीसरा तीर यह कि प्रदेश के नेताओं को यह खुला संदेश दिया गया कि उमंग सिधार कि जरूरत क्षेत्र को, प्रदेश को और हाईकमान तीनों को है।

मुख्यमंत्री ने किया बालक-बालिका छात्रावास भवनों का लोकार्पण

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज सिंगल क्लिक के जरिए ग्वालियर समेत प्रदेश के विभिन्न जिलों के लगभग 61 करोड़ 43 लाख रुपए की लागत के बालक एवं बालिका छात्रावास भवनों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। केंद्रीय मंत्री ज्योतारिदित्य सिंधिया, नरेंद्र सिंह तोमर, गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट और दूसरे सीनियर लीडर भी इस कार्यक्रम में मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने अंबेडकर महाकुंभ आयोजन स्थल पर लगाई गई बाबा साहब के जीवन पर केंद्रित चित्र गैलरी और प्रदर्शनी का अवलोकन किया। संतों के सम्मान और कन्या पूजन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में आई महिलाओं से काले दुपट्टे ले लिए गए।

मुख्यमंत्री ने 28 करोड़ 72 लाख रुपए लागत के 6 छात्रावास भवनों का लोकार्पण किया। इनमें बाबू जगजीवन राम छात्रावास योजना के तहत ग्वालियर में 8 करोड़ 72 लाख रुपए की लागत से निर्मित 250 सीटर कन्या छात्रावास भवन शामिल है। जबलपुर में ढाई-ढाई करोड़ रुपए की लागत से बनाए गए 50-50 सीटर चार बालक छात्रावास भवन और भोपाल में 9 करोड़ 9 लाख रुपए की लागत से कटारा हिल्स पर बनाया गया 250 सीटर छात्रावास भी है।

कार्यक्रम में 32 करोड़ 60 लाख रुपए लागत के पांच छात्रावास भवनों की वर्चुअल आधारशिला रखी गई। इनमें छतरपुर के 11 करोड़ 71 लाख रुपए लागत का 250 सीटर कन्या छात्रावास भवन, 6 करोड़ 52 लाख रुपए लागत का 100 सीटर अनुसूचित जाति सीनियर बालक छात्रावास भवन, सिंगरौली में 6 करोड़ 52 लाख रुपए की लागत से बनने जा रहा 100 सीटर अनुसूचित जाति जूनियर बालक छात्रावास भवन, टीकमगढ़ में 3 करोड़ 93 लाख रुपए की लागत का 50 सीटर अनुसूचित जाति जूनियर कन्या छात्रावास भवन और निवाड़ी में 3 करोड़ 91 लाख रुपए की लागत से बनने जा रहा 50 सीटर अनुसूचित जाति सीनियर बालक छात्रावास शामिल है।

पूर्व राज्यपाल का खुलासा, सच्चाई का पर्दाफाश: कमलनाथ

भोपाल। पीसीसी अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ पीसीसी में कहा कि भूतपूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का लगभग 1 घंटे 9 मिनट का इंटरव्यू हम सब ने देखा उन्होंने इतने साल भारतीय जनता पार्टी में रहकर और इतने साल राज्यपाल रह कर अपने अनुभव से जो उन्होंने कहा है यह एक बड़ा खुलासा है उन्होंने पर्दाफाश किया है, सत्यपाल मलिक ने सच्चाई बयान की है और सच्चाई को लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता।

उन्होंने कहा कि शिवराज जी बड़ी-बड़ी घोषणाएं कर रहे हैं जहां जा रहे हैं वहां घोषणाएं कर रहे हैं, शिवराज जी आपने 18 वर्षों में जो नहीं किया उन सब को घोषणाओं के रूप में बचे हुए 5 महीनों में करके जनता को मूर्ख बनाना चाह रहे हैं। लाडली बहनों की बात कर रहे हैं लाडली बहने इन्हें पिछले 18 वर्षों में याद नहीं आई विगत 10 वर्षों में याद नहीं आए विगत 5 वर्षों में याद नहीं आई चुनाव के समय ही क्यों लाडली बहनों की याद आई? 18 वर्षों में जो कुछ नहीं किया आज बचे हुए 5 महीनों में उन सब को घोषणाओं के रूप में करना चाहते हैं यह स्वीकारोक्ति है की इनसे बहुत सारी गलतियां हुई है बहुत से काम अधूरे रह गए जो पहले हो जाने चाहिए थे।

बड़े ही दुख की बात है कि जिस प्रकार से आज खुलेआम हत्याएं हो रही हैं यह क्या इशारा कर रही हैं? कानून व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह उठ रहा है, यह सिर्फ मेरे सोचने वाली बात नहीं, यह आज पूरे समाज को सोचने वाली बात है की वर्तमान राजनीति की ओर अग्रसर हो रही है? मेरा मानना है कि सुप्रीम कोर्ट को इस विषय में स्वयं संज्ञान लेकर जांच के आदेश देने चाहिए। योगी आदित्य ने क्या कहा है इस विषय में जानकारी नहीं है परंतु जो भी घटनाएं सामने आ रही हैं वह देश के सबसे बड़े प्रदेश के लिए दुख की बात है, ये आज मीडिया की छवि को भी मिट्टी में मिला देना चाहते हैं।

बाल कांग्रेस कल का भविष्य – कमलनाथ ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में बाल कांग्रेस की बैठक को संबोधित किया और कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी ने 18 वर्ष के नौजवानों को वोट का अधिकार दिया था। यही बच्चे भविष्य में हमारे नौजवान बनेंगे और जागरूक नौजवान ही हमारे भविष्य का निर्माण करेंगे इसलिए यह आवश्यक है कि बच्चों को हमारा सही इतिहास पता हो और हमें इन्हें शिक्षा देनी है ताकि कोई इन्हें गुमराह ना कर सके।

बसपा से पूर्व विधायक रहीं शीला त्यागी कांग्रेस में शामिल– बसपा से पूर्व विधायक रहीं शीला त्यागी ने आज कांग्रेस जॉइन कर ली। भोपाल में पीसीसी दफ्तर में कमलनाथ ने उन्हें सदस्यता दिलाई। शीला रीवा के मनगवां सीट से बसपा विधायक रह चुकी हैं।

अतीक-अशरफ हत्याकांड के बाद हाई अलर्ट पर यूपी धारा 144 लागू, सीएम योगी ने हर 2 घंटे की मांगी रिपोर्ट

प्रयागराज। कभी किसी ने सोचा नहीं था कि माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ का अंत फिल्मी अंदाज में होगा। पुलिस अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ को प्रयागराज के कॉल्विन अस्पताल में मेडिकल के लिए लेकर जा रही थी। तभी 3 हमलावरों ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाई। प्रयागराज पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि तीनों हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

सांसद, चार बार विधायक रहे माफिया अतीक उसके भाई अशरफ की हत्या मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हर 2 घंटे की रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं। अतीक और अशरफ के शव को प्रयागराज के मोती लाल नेहरू चिकित्सालय से एसआरएम मेडिकल कॉलेज ले जाया गया है। यहां पर दोनों का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। साथ ही मुख्यमंत्री ने आज के पहले से तय कार्यक्रम टाल दिए हैं। इसके अलावा सीएम आवास पर किसी के आने-जाने पर भी रोक लगा दी गई है।

पूरे प्रदेश में पुलिस को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए गए है। योगी आदित्यनाथ ने हत्याकांड की जांच के लिए 3 सदस्यीय न्यायिक आयोग का गठन किया है। पूरे यूपी में धारा 144 लागू कर दी गई है। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले में जांच कमेटी बैठाए। कोर्ट की निगरानी में इस हत्याकांड की जांच हो। उन्होंने कहा है कि हत्याकांड की निंदा के लिए मेरे पास शब्द नहीं है। जांच टीम में यूपी का काई अधिकारी न हो। प्रयागराज में इंटरनेट को सस्पेंड कर दिया गया है।

समोसे के शौकीनों के लिए गुड न्यूज

एसोचैम की रिपोर्ट: बर्गर की तुलना में सेहत के लिए बेहतर है समोसा

उद्योग संगठन एसोचैम की रिपोर्ट में बर्गर की तुलना में समोसा सेहत के लिए बेहतर बताया गया है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एसोचैम के कार्यक्रम में भारतीय व्यंजन पर एक विस्तृत रिपोर्ट का लोकार्पण किया। पश्चिमी व्यंजनों की तुलना में भारतीय खाद्य पदार्थ सेहत के लिए काफी लाभदायक हैं। रिपोर्ट में इस बात पर भी जोर दिया गया है कि भारत सभी के लिए सुरक्षित भोजन सुनिश्चित करने और कुपोषण जैसे मुद्दों को हल करने के अपने राष्ट्रीय लक्ष्य को कैसे प्राप्त कर सकता है। देश के 15 सबसे अधिक आबादी वाले शहरों में किया गया एक सर्वेक्षण भी रिपोर्ट का हिस्सा है। इसमें 5,000 से अधिक लोगों ने अपने भोजन विकल्पों पर अपनी राय दी है।

बर्गर के साथ समोसे की तुलना– जंक फूड बर्गर भी है और समोसा भी, लेकिन समोसा बनाने में फ्रेश चीजों का इस्तेमाल होता है। वहीं बर्गर में प्रिजरवेटिव्स का यूज किया जाता है। समोसा आटे या मैदा से बना होता है और शुद्ध वनस्पति तेल में तला जाता है। इसमें जीरा, उबले हुए आलू, मटर, नमक, मिर्च और मसाले जैसी ताजी सामग्री का प्रयोग किया जाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ये सामग्रियां बर्गर में डाली जाने वाली समाग्रियों की तुलना में स्वास्थ्यवर्धक हैं। बर्गर पैक्ड पदार्थों से बनाया जाता है। ये पैक्ड फूड कई दिनों का भी हो सकता है, जो खाने पर नुकसान कर सकता है।

खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता के बारे में चिंतित– कुल मिलाकर, अध्ययन इस बात पर प्रकाश डालता है कि भारतीय उपभोक्ता खरीदे जाने वाले खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता के बारे में चिंतित हैं और अधिकांश लोग खाद्य पैकेजों पर उपलब्ध कराए गए मौजूदा विवरणों से संतुष्ट नजर आते हैं। इससे यह बात पता चलती है कि बहुत ज्यादा जानकारी की हमेशा आवश्यकता नहीं होती है, क्योंकि स्वास्थ्य के प्रति जागरूक व्यक्ति और परिवार अपने भोजन को लेकर सतर्क रहते हैं।

91 प्रतिशत लोगों ने कहा- परिणामों से अवगत

सर्वेक्षण के अनुसार, 91 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे खाने में ज्यादा चीनी, नमक और वसा के परिणामों से अवगत हैं। टीयर-1 शहरों की तुलना में, टीयर-2 शहरों में भारतीयों में चीनी, नमक और वसा के स्वास्थ्य प्रभावों के बारे में अधिक जागरुकता है। 81 प्रतिशत लोगों ने कहा कि उनके लिए पैकेज्ड खाद्य उत्पाद के पीछे दी गई जानकारी को समझना आसान था, जबकि 40 प्रतिशत ने कहा कि इसे पढ़ना बहुत आसान है।

बर्गर का पाव बनाने मैदे में खमीर की जरूरत होती है

समोसा बनाते वक्त सीधे मैदे का इस्तेमाल किया जाता है, जबकि, बर्गर का पाव बनाने के लिए मैदे में खमीर (यीस्ट) की जरूरत होती है, जिससे ही पाव और ब्रेड स्पंजी और बहुत ज्यादा मुलायम बनते हैं। बर्गर की टिक्की बनाने के लिए सामान्य कुकिंग ऑयल्स के अलावा अन्य तेलों का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। बर्गर को फ्रीज करके स्टोर भी किया जा सकता है, लेकिन समोसे को बनाने के तुरंत बाद खाया जाता है। तुलनात्मक रूप से यह निष्कर्ष निकालता है कि कैलोरी से भरपूर समोसे एक बेहतर विकल्प हैं, क्योंकि उनमें रसायनों की कमी होती है। हालांकि समोसे की अति से आपके सेहत को नुकसान हो सकता है.

प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट से भरी होती है इंडियन खाने की थाली रिपोर्ट में कहा गया है, पारंपरिक भारतीय खाद्य पदार्थों के विपरीत जो गैर-पारंपरिक खाद्य पदार्थ तैयार किए जाते हैं। इनमें एडिटिव्स का उपयोग किया जाता है, जो सेहत के लिए नुकसानदेह है। पनीर पिज्जा की तुलना में एक बड़ा पाव सेहत की दृष्टि से अच्छा है। आइसक्रीम से बेहतर चॉकलेट है। भोजन की भारतीय थालियां प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट के संयोजन के साथ आती हैं, जैसे चपाती, दाल, चावल, तली हुई सब्जियां और दही या छाछ जैसे डेयरी उत्पाद जो अधिक पेट भरने वाले होते हैं।

शराब नीति केस में केजरीवाल सीबीआई के सामने पेश

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शराब नीति केस में पूछताछ के लिए रविवार सुबह 11 बजकर 10 मिनट पर सीबीआई ऑफिस पहुंचे। इससे पहले उन्होंने राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद दिल्ली सरकार के कई मंत्री, पार्टी सांसद और पंजाब के सीएम भगवंत मान उन्हें सीबीआई ऑफिस तक छोड़ने गए। केजरीवाल ने रविवार सुबह वीडियो जारी कर कहा कि जब कुछ गलत नहीं किया, तो छिपाना क्या। उन्होंने कहा कि ये (भाजपा) बहुत ताकतवर लोग हैं, किसी को भी जेल भेज सकते हैं, चाहे किसी ने कोई जुर्म किया हो या ना किया हो।

एक्सीडेंट में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

मां सहित बेटा-बेटी ने तोड़ा दम, बाइक सवार को बचाने में पेड़ से टकराई कार

बालाघाट। बालाघाट में रविवार सुबह भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। चार लोग घायल हैं, इनमें एक की हालत गंभीर है। परिवार महाराष्ट्र से बालाघाट आयुर्वेदिक दवा लेने आया था, इसी दौरान उनकी कार पेड़ से टकरा गई।

हादसा रजेगांव से आगे बालाघाट रोड पर घिसर्री नदी के पास सुबह 8 बजे हुआ। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के ब्रम्हपुरी से एक परिवार बालाघाट जिले के बैहर क्षेत्र के कुमादेही में आदिवासियों से आयुर्वेदिक दवा लेने आ रहा था।

17 दिन में दूसरी बार मप्र आ रहे संघ प्रमुख भागवत

● आरएसएस के लिए अहम है देश का दिल

भोपाल। मध्य प्रदेश में इस साल आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं। 15 महीनों को छोड़ दें तो 2003 से लगातार प्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार काबिज है। सत्ता में बने रहने के लिए पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने कवायद शुरू कर दी है। संघ प्रमुख मोहन भागवत 17 दिन में दूसरी बार मध्य प्रदेश के दौरे पर आ रहे हैं। इस बार वे कल यानी 16 अप्रैल को बुरहानपुर जा रहे हैं, 18 अप्रैल को जबलपुर पहुंचेंगे। भागवत 31 मार्च को भोपाल में शहीद हेमू कालाणी जन्मशताब्दी समारोह में शामिल हुए थे।

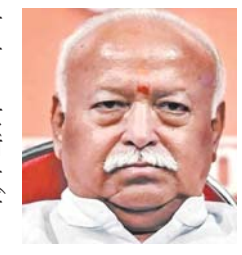

भागवत बुरहानपुर में गोविंद महाराज समाधि का लोकार्पण करेंगे। दरअसल, 1933 में ऋस्स की पहली शाखा यहीं से शुरू हुई थी। इसे लेकर संघ और बीजेपी नेताओं ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। माना जा रहा है कि वे यहां खंडवा-बुरहानपुर के संतों के साथ बैठक और धर्म-संस्कृति सभा को संबोधित कर सकते है। भागवत महाजना पेठ स्थित गोविंदनाथ महाराज की समाधि स्थल और ताप्ती नदी के किनारे बसे भगवान श्रीराम दरबार प्रतिमा स्थापना कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस दौरान बद्रीकेश्वर धाम के शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती, महामंडलेश्वर स्वामी हरिहरानंद महाराज, भारतीय संत समिति के स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती, देवनाथ मठ के स्वामी जितेंद्रनाथ महाराज और श्रीमंत राजे मुधोजी भोंसले समेत कई संत कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे।

बुरहानपुर के बाद जबलपुर जाएंगे भागवत– भागवत 18 अप्रैल को जबलपुर दौरे में रहेंगे। वे यहां राम कथा और संत समागम में शामिल होंगे। इसके बाद वे स्वामी श्यामदेवाचार्य की प्रतिमा का अनावरण करेंगे।

भारत रत्न डॉ.भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनी

सांसद प्रज्ञा ठाकुर ने संतनगर में किया कामकाजी महिलाओं का सम्मान

संत हिरदाराम नगर। संत नगर के कैंप नंबर 12 में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती सप्ताह समारोह के अवसर पर लगभग 800 कामकाजी महिलाओं का साल उड़ा कर सम्मान किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भोपाल संसदीय क्षेत्र की सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर जी ने सर्वप्रथम बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर संत नगर सांसद प्रतिनिधि दिनेश मिश्रा ने बताया कि माननीय सांसद जी की इच्छा थी की अंतिम पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति की सेवा की जाए जो कामकाजी महिलाएं काम करके अपने बच्चे बच्चियों को उच्च शिक्षा दिलाना चाहती हैं ऐसी महिलाओं का सम्मान किया जाना चाहिए।

सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते खाकी उक्त परिसर में लाइट की सुचारू व्यवस्था की जाए लाइट ना होने के कारण सांसद ने निगम कर्मचारियों को फटकार भी लगाई तथा समय सीमा पर कार्य पूर्ण करने के लिए आदेशित भी किया। कार्यक्रम में स्थानीय पार्षद कुसुम चतुर्वेदी एवं सकल बाल्मीकि समाज के सरपंच अशोक भगवानिया द्वारा डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के मंगल भवन का जीर्णोद्धार करने हेतु ज्ञापन भी सांसद जी को दिया गय। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के पूर्व सदस्य सुंदर कलतारी, शासकीय हमीदिया महाविद्यालय के प्रतिनिधि रवि कल तारी, समाजिक संस्था सेंटर फॉर हुमन वेलफेयर एंड डेवलपमेंट के अभिलाष चंद्र अविनाश कुमार, नितीश कुमार नंद किशोर डाबी, तरुण गोहर, श्रीमती रीमा पांडे , श्रीमती ज्योति गोहर, सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन सांसद प्रतिनिधि दिनेश मिश्रा ने किया एवं आभार सकल बाल्मीकि पंचायत के सरपंच अशोक भगवानिया ने किया।

निगम आयुक्त ने शहर की स्वच्छता व्यवस्थाओं का लिया जायजा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

निगम आयुक्त के.वी.एस.चौधरी ने स्वच्छता से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लेने हेतु विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। थुआखेड़ा कोलार स्थित कचरा प्रबंधन हेतु ट्रांसफर स्टेशन तथा सीएंडडी वेस्ट प्लांट का निरीक्षण किया और अधिकारियों से विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त चौधरी ने सीएंडडी वेस्ट प्लांट में निर्मित की जा रही ईटे एवं पेविंग ब्लाक के निर्माण एवं प्राप्त होने वाले सीएंडडी वेस्ट के संबंध में चर्चा की। निगम आयुक्त चौधरी ने जोन क्रमांक 15 के अंतर्गत सोनागिरी ए सेक्टर स्थित मिलखा सिंह खेल मैदान एवं पार्क का निरीक्षण किया तथा सकारात्मक सोच संस्था की महिला सदस्यों से चर्चा की और उनके द्वारा बताई गई समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने कचरा जलाने की शिकायत मिलने पर संबंधित दरोगा को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त एम.पी.सिंह, अधीक्षण यंत्री आर.के.सक्सेना सहित निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

निगम आयुक्त के.वी.एस.चौधरी ने शनिवार को शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाये रखने के लिए किये जा रहे कार्यों एवं स्वच्छता से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लेने हेतु विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। निगम आयुक्त चौधरी ने थुआखेड़ा कोलार स्थित कचरा प्रबंधन हेतु ट्रांसफर स्टेशन तथा सीएंडडी वेस्ट प्लांट का निरीक्षण किया और अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त चौधरी ने सीएंडडी वेस्ट प्लांट में निर्मित की जा रही ईटे एवं पेविंग ब्लाक के निर्माण प्रक्रिया एवं प्लांट में पहुंचने वाले सीएंडडी वेस्ट के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा की।

निगम आयुक्त चौधरी ने स्थल पर निर्मित ईंटों को व्यवस्थित ढंग से समुचित स्थान पर रखने एवं टूटी हुई ईटों के मटेरियल को रिसाइकल कर उसका पुनर्निर्माण करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने जोन क्रमांक 15 के अंतर्गत सोनागिरी ए सेक्टर स्थित मिलखा सिंह खेल मैदान एवं पार्क का निरीक्षण किया।

भजन मंडलियों की प्रतियोगिता में आदर्श नगर प्रथम स्थान पर

सेवा भारती द्वारा सेवा बस्तियों की महिलाओं की प्रतिभा निखारने किया आयोजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

सेवा भारती द्वारा सेवा बस्तियों की बहनों की प्रतिभा निखारने एवं एवं उनके आत्मविश्वास को मंच प्रदान करने के उद्देश्य और सामाजिक समरसता श्रंखला में भजन मंडलियों की प्रतियोगिता गुजराती समाज भवन में हुई जिसमे एलएनसीटी की प्रमुख श्वेता चौकसे, शीलचंद लचकिया, प्रोफेसर राजकुमारी शर्मा, अजीता जी, शोभना प्रधान सेवा भारती अध्यक्ष बी.एस बाजपेई,धनीराम पवार,अजीत माधवानी, महिला संयोजिका श्रीमती आभा पांडे ,जया केतकी शर्मा, भगवानदास ढालिया ने प्रतियोगिता में प्रथम स्थान रही शंकराचार्य मंडल आदर्श नगर भजन मंडली को 11100 का पुरस्कार। द्वितीय स्थान राधा किशोरी भजन मंडली को 7100 माधव मंडल ने एवं तृतीय स्थान पर मारुति जगदंबा भजन मंडली साकेत मंडल को पुरस्कार में 5100 के साथ स्मृति चिन्ह दिए गए। सभी प्रतियोगी बहनों को सांत्वना पुरस्कार भी दिए। इस अवसर पर महानगर भजन मंडली आयाम प्रमुख श्रीमती जया केतकी शर्मा और और संचालन कर रहे विमल भंडारी ने प्रतियोगिता के उद्देश्य बताये इस अवसर पर भारी संख्या में महिलाएं और नागरिक गण उपस्थित थे।

विधायक और निगम आयुक्त ने प्रस्तावित आरओबी स्थल का किया निरीक्षण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

विधायक श्रीमती कृष्णा गौर ने होशंगाबाद रोड स्थित आशिमा मॉल से बावड़िया कला होते हुए अपोलो सेज हास्पिटल तक 53 करोड़ रूपये की लागत से बनने वाले आर.ओ.बी. के निर्माण के संबंध में नगर निगम आयुक्त के.वी.एस.चौधरी, अपर आयुक्त एम.पी. सिंह, जिला प्रशासन एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ बावड़िया कला क्षेत्र का निरीक्षण किया। श्रीमती गौर ने निर्माण कार्य में आ रही बाधाओं के निराकरण के संबंध में अधिकारियों से विस्तारपूर्वक चर्चा की एवं स्थल का सीमांकन कर अन्य प्रक्रियाओं को पूर्ण करने के निर्देश जिला प्रशासन एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने निगम स्तर पर किए जाने वाले सभी कार्यों को तीव्र गति से करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

इस अवसर पर श्रीमती गौर ने बताया कि इस फ्लाईओवर के बनने से बावड़िया कला और आसपास के समस्त क्षेत्रों को होशंगाबाद रोड से बहुत अच्छी कनेक्टिविटी मिलेगी। इस अवसर पर महापौर परिषद के सदस्य जितेन्द्र शुक्ला, क्षेत्रीय पार्षद एवं जोन अध्यक्ष श्रीमती शीला रामबाबू पाटीदार सहित जिला प्रशासन, लोक निर्माण विभाग एवं नगर निगम के अधिकारीगण तथा स्थानीय नागरिक मौजूद थे।

गोविंदपुरा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के चुनाव में निर्विरोध चुनी गई कार्यकारिणी

भोपाल। गोविंदपुरा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (2023- 25) के चुनाव में निर्विरोध चुनी गई नवीन जिया कार्यकारिणी का टेकिंग ओवर सेरेमनी कार्यक्रम जिया भवन में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष शामिल हुए इसके साथ ही जिला व्यापार उद्योग केंद्र पदाधिकारी, नगर निगम पदाधिकारी, पत्रकार एवं जिया साथियों का उत्साह देखने को मिला। सभी उपस्थित साथियों ने पुष्पमाला से नव निर्वाचित टीम का स्वागत किया गया।

नव निर्वाचित टीम में विजय गौड़ अध्यक्ष, मदनलाल गुर्जर उपाध्यक्ष, नंदलाल गुप्ता, सचिव, नीरज शर्मा सह सचिव, एस.के. खाब्या कोषाध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सदस्य अंकुर गुप्ता, भरत सिंह सिकरवार, हबीब हुसैन, पंकज बिंद्रा रछपाल सिंह,रविंद्र शर्मा एवं योगेश गोयल जी विजयी रहे।

प्राइड होटल्स ग्रुप ने दी भोपाल में दस्तक, प्राइड होटल में किया लांच

भोपाल। प्राइड होटल्स ग्रुप ने 'प्राइड होटल भोपाल' के लॉन्च के साथ ही मध्य भारत के एक प्रमुख शहर में अपनी उपस्थिति बना ली है। समूह का यह नया होटल शहर के प्रमुख इलाके में स्थित है जहां से आसपास के पर्यटक आकर्षणों, बाज़ारों और अन्य कमर्शियल स्थलों तक आसानी से पहुंचा जा सकता है। भोपाल शहर देशभर के कई इलाकों से सड़क, रेल और हवाई मार्गों से जुड़ा है और प्राइड होटल भोपाल अपने मेहमानों को शहर में ठहरने का बेहतरीन अनुभव प्रदान करेगा।

प्राइड होटल भोपाल के लॉन्च की घोषणा करते हुए, एस पी जैन, चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, प्राइड होटल्स ग्रुप ने कहा, अनुपाम पंडित भोपाल शहर के जाने-माने बिज़नेसमैन हैं और वह अग्रवाल पावर प्राइवेट लिमिटेड के सफल प्रबंध निदेशक तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी भी हैं, जिनके देश के 5 राज्यों में कारोबार हैं। हम अपने ब्रैंड में विस्तार के लिए मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में उनके साथ गठबंधन करते हुए बेहद खुशी महसूस कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में हमने विस्तार के लिए एसैट-लाइट मॉडल को अपनाया है और हमारी कोशिश रहती है कि

हमारे पोर्टफोलियो के एक बड़े हिस्से का प्रबंधन सीधे कंपनी के नियंत्रण में रहे। हमारी योजना 2030 तक देशभर में 100 होटलों को खोलने की है। सत्येन जैन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्राइड होटल्स ग्रुप ने कहा, मध्य प्रदेश में दुनियाभर से मौज-मस्ती और घूमने-फिरने के अलावा बिज़नेस ट्रैवलर्स का भी आना-जाना लगा रहता है। स्मार्ट सिटी के तौर पर पहचान बना चुके भोपाल शहर में पिछले कुछ समय में शहरीकरण की प्रक्रिया में तेजी आयी है और यह निवेश के लिहाज़ से भी आकर्षक मंजिल बन चुका है। हम राज्य में अपनी तीसरी प्रॉपर्टी का उद्घाटन करते हुए खुशी महसूस कर रहे हैं, अन्य दो होटल इंदौर तथा जबलपुर में हैं। भोपाल में लॉन्च के साथ ही हमने देश के लोकप्रिय ठिकानों में अपनी उपस्थिति में विस्तार किया है। अतुल उपाध्याय, सीनियर वाइस प्रेसीडेंट, प्राइड होटल्स ग्रुप ने कहा, हम भोपाल में अपनी नई प्रॉपर्टी के लॉन्च पर बेहद खुश हैं, शहर में आने वाले मेहमानों को यहां प्राइड की सत्कार परंपरा का अनुभव मिलेगा।

कनेक्ट कॉन्क्लेव 2023 में शीर्ष स्तर के अधिकारी और स्टार्ट-अप संस्थापक शामिल हुए

भोपाल। एमपीकनेक्ट, मध्य प्रदेश/छत्तीसगढ़ क्षेत्र में व्यावसायिक ज्ञान और नेटवर्किंग के लिए एक प्रसिद्ध मंच, ने अपने प्रतिष्ठित वार्षिक व्यापार कार्यक्रम, कनेक्ट कॉन्क्लेव - 2023 के तीसरे संस्करण का आयोजन 15 अप्रैल को होटल मैरियट में किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय विशेष कैलाश सारंग, चिकित्सा शिक्षा एवं भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री, मध्य प्रदेश सरकार थे।

इस कार्यक्रम में सम्मानित सरकारी अधिकारियों और सांस्कृतिक संरक्षकों की भी मेजबानी की गई, जैसे श्री पी. नरहरि, सचिव और आयुक्त- एमएसएमई, मध्य प्रदेश सरकार, कनिका टेकरीवाल, जेटसेटगो की संस्थापक-सीईओ, सार्थक सेठ, टाटा रियल्टी के सीएमओ, उमंग श्रीधर, संस्थापक उमंग श्रीधर डिजाइन के, मध्य प्रदेश फाउंडेशन के महासचिव डॉ हरीश भल्ला, और टाटा मोटर्स में मीडिया और मार्केट इनसाइट्स के प्रमुख उदित मित्तल, कई अन्य सम्मानित

अधिकारियों के बीच। कॉन्क्लेव ने वक्ताओं के एक प्रभावशाली रोस्टर को एक साथ लाया, जिसमें एविएशन, रियल्टी, ऑटोमोबाइल और आईटी क्षेत्रों के शीर्ष स्तर के अधिकारी और अनूठे बिजनेस मॉडल वाले इनोवेटिव स्टार्ट-अप संस्थापक शामिल थे। यह कार्यक्रम भोपाल में आयोजित किया गया था और इसमें एमपी/सीजी के विभिन्न हिस्सों से उद्योगपतियों, उद्यमियों, प्रबंधन पेशेवरों के साथ-साथ प्रबंधन छात्रों ने भाग लिया था।

कॉन्क्लेव का विषय व्यवसायों के लिए उभरते विकास के अवसरों की खिड़की था। कॉन्क्लेव का उद्देश्य व्यापारिक नेताओं, राय के नेताओं और प्रभावितों का एक मजबूत समुदाय बनाना था। कॉन्क्लेव ने राष्ट्रीय और साथ ही वैश्विक स्तर पर महत्वाकांक्षी मध्यप्रदेश के लिए पेशेवर क्षेत्र में बढ़ते विकल्पों के लिए एक खिड़की खोली।एमपीकनेक्ट की सह-संस्थापक सुश्री अंतरा श्रीवास्तव के अनुसार, हम सफलतापूर्वक कनेक्ट कॉन्क्लेव 2023 का आयोजन करके रोमांचित हैं, जो उद्योग के नेताओं, उद्यमियों और नवप्रवर्तकों को उनके ज्ञान, विशेषज्ञता और अनुभवों को साझा करने के लिए एक साथ ला रहा है। यह कार्यक्रम हमारे लिए एक वसीयतनामा था।

मड़वास चौकी बनेगी थाना, मझौली सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र होगा 50 बिस्तरीय

मुख्यमंत्री ने मड़वास को तहसील और कॉलेज की दी सौगात

निवास को उप तहसील बनाने की घोषणा

तेन्दूपत्ता संग्राहकों को पानी की कुप्पी, छाते एवं अन्य सामग्री दी जायेगी

मुख्यमंत्री ने जन-सेवा मित्र तथा युवाओं से किया संवाद

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि लाड़ली लक्ष्मी योजना ने बेटियों के सशक्तीकरण को नया आयाम दिया है। अब लाड़ली बहना योजना प्रदेश में सामाजिक क्रांति कर रही है। यह योजना महिलाओं का जीवन बदलने का अभियान है। योजना से महिलाओं को आर्थिक रूप से सहायता मिलने के साथ परिवार में सम्मान और प्यार मिलेगा। एक समय था जब बेटा और बेटी में भेदभाव किया जाता था, माँ की कोख को कत्लगाह बना दिया गया था। सामाजिक जागरूकता और लाड़ली लक्ष्मी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से सामाजिक परिवर्तन आया है। अब बेटियाँ वरदान बन गई हैं और उन्हें हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर दिये जा रहे हैं। बेटियाँ, बेटों से अधिक परिवार की सेवा कर रही हैं। सरकार ने बेटियों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएँ लागू की हैं। गरीब माँ-बाप बेटी को बोझ न समझे, इसलिए मुख्यमंत्री कन्या विवाह-निकाह योजना में बेटियों के विवाह कराये जा रहे हैं। मेधावी बेटियों को छात्रवृत्ति तथा निःशुल्क शिक्षा की सुविधा दी जा रही है। हायर सेकेंड्री परीक्षा में गाँव में टाप करने वाली बेटी को ई-स्कूटी दी जायेगी।

मुख्यमंत्री चौहान आज सीधी जिले के मझौली विकासखण्ड के ग्राम महखोर-हिनौता में लाड़ली बहना महासम्मेलन में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने लाड़ली लक्ष्मी, आयुष्मान, मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार योजना और महिला स्व-सहायता समूहों को हितलाभ वितरण किये। मुख्यमंत्री ने मड़वास को तहसील बनाने और कॉलेज खोलने, निवास को उप तहसील बनाने, मड़वास चौकी को थाना बनाने तथा मझौली सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र को 50 बिस्तरीय में उन्नयन करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने 445 करोड़ 42 लाख रूपये लागत के 79 निर्माण कार्यों का भूमि-पूजन और 24 करोड़ 39 लाख रूपये लागत के 39 कार्यों का लोकार्पण भी किया।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि अब जमाना बदल गया है। महिलाएँ और बेटियाँ हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। मैं किसी भी हालत में बहनों का अपमान नहीं होने दूँगा। बहन-बेटियों की ओर आँख उठाने वालों को जेल भेजा जायेगा। लाड़ली बहना योजना के आवेदन-पत्र भरे जा रहे हैं। सीधी जिले में 1 लाख 58 हजार से अधिक आवेदन भरे गये हैं। कलेक्टर हर पात्र बहन का आवेदन-पत्र भरवायें। इस योजना के आवेदन-पत्रों का मई माह में परीक्षण कर 10 जून को बहनों के खाते में 1000 रूपये की राशि जारी की जायेगी।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि तेन्दूपत्ता संग्राहकों को पानी की कुप्पी, जूते-चप्पल और छाते प्रदान किये जायेंगे। संग्राहक बहनों को साड़ी भी प्रदान की जायेगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में सिंचाई के विकास के लिए आज गोपद नदी में बाँध निर्माण का शिलान्यास हुआ है। जल जीवन मिशन से अब हर घर में नल से स्वच्छ पानी आयेगा। सांसद सीधी श्रीमती रीती पाठक ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया तथा लाड़ली बहना योजना के लिए क्षेत्र की सभी बहनों की ओर से आभार व्यक्त किया। योजना से लाभान्वित होने वाली बहनों ने विशाल राखी भेंट कर मुख्यमंत्री का आभार माना। विधायक धौहनी कुंवर सिंह टेकाम ने कहा कि मुख्यमंत्री चौहान ने क्षेत्र के विकास के लिए कई सौगातें दी हैं। धौहनी का पिछड़ा क्षेत्र तेजी से विकास कर रहा है। गोंड सिंचाई परियोजना के दूसरे चरण से क्षेत्र के 75 गाँवों में सिंचाई की सुविधा मिलेगी। जनजातीय कल्याण एवं जिले की प्रभारी मंत्री सुमीना सिंह, विधायक सर्वकेदारनाथ शुक्ल, शरदेन्दु तिवारी, सुभाष वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मंजू सिंह सहित जन-प्रतिनिधि, बड़ी संख्या में बहनें एवं नागरिक उपस्थित थे।

राज्य सरकार गीत-संगीत की प्रतिभाओं को मंच उपलब्ध करायेगी: मुख्यमंत्री

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री चौहान से सुप्रसिद्ध गायक दर्शन रावल ने की भेंट

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से सुप्रसिद्ध गायक और संगीतकार दर्शन रावल ने निवास कार्यालय में भेंट की। मुख्यमंत्री चौहान ने रावल को राज्य युवा नीति के प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि युवा नीति में संगीत और नृत्य सहित विभिन्न विधाओं के युवा कलाकारों को फैलोशिप उपलब्ध कराने की व्यवस्था है। राज्य में गाँव-कस्बों से अच्छे गायक और कलाकार निकल रहे हैं। प्रतिभाओं की खोज के लिए प्रदेश में विशेष अभियान चलाया जायेगा। उन्हें उचित प्लेटफार्म तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के लिए संस्कृति विभाग के साथ मिल कर व्यवस्था की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जैसे खेल-कूद की विभिन्न स्तरों पर प्रतियोगिताएँ की जाती हैं, उसी प्रकार गीत-संगीत की प्रतिभाओं को अवसर उपलब्ध कराने के लिए भी प्रतियोगिताएँ की जाएंगी।

प्रधानमंत्री 24 अप्रैल को आयेंगे रीवा, प्रधानमंत्री के आगमन की तैयारियों का मुख्यमंत्री ने लिया

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का रीवा की पुण्य-धरा पर आगमन विन्ध्य के लिये अनेक सौगातें लेकर आयेगा। उनका आगमन मध्यप्रदेश के लिये सौभाग्य है। प्रधानमंत्री का विन्ध्य की धरा पर परंपरानुसार ऐतिहासिक स्वागत हो। मुख्यमंत्री चौहान ने आज रीवा में 24 अप्रैल पंचायती राज दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगमन की तैयारियों का एसएएफ ग्राउंड पहुँच कर जायजा लिया और अधिकारियों की बैठक कर आवश्यक निर्देश दिये। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस का शुभारंभ कर पंचायत प्रतिनिधियों को संबोधित करेंगे। उनके द्वारा 7 हजार करोड़ रूपये की लागत से प्रस्तावित जल जीवन मिशन योजना का शिलान्यास किया जायेगा। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के 4 लाख से अधिक हितग्राहियों को गृह प्रवेश और स्वामित्व अधिकार के हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किये जायेंगे। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि कार्यक्रम स्थल पर राज्य-स्तरीय प्रदर्शनी एवं रीवा जिले की उपलब्धियों पर केन्द्रित प्रदर्शनी लगायी जाये।

जिला स्तर की प्रदर्शनी में बाणसागर बाँध से सिंचाई क्षमता में वृद्धि एवं उत्पादन में वृद्धि, सड़कों का जाल एवं टनल का निर्माण, गुढ़ में स्थापित सौर ऊर्जा संयंत्र तथा मुकुन्दपुर में व्हाईट टाईगर सफारी, बसावन मामा गो-वंश और वन्य विहार को प्रदर्शित किया जाये। उन्होंने मंच व्यवस्था सहित आमजन के लिये की जा रही बैठक और पार्किंग व्यवस्था, हेलीपेड से कार्यक्रम स्थल तक की व्यवस्था आदि का अवलोकन कर आवश्यक निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन द्वारा की जा रही तैयारियों पर संतोष व्यक्त किया। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि संस्कृति विभाग से समन्वय कर लोक कलाकार एवं लोक नर्तकों के विशाल समूह के कार्यक्रम भी करायें जायें। प्रधानमंत्री के आगमन पर मध्यप्रदेश के विभिन्न अंचलों के लोक नृत्यों की प्रस्तुति कर स्वागत किया जायेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर सभी पंचायत प्रतिनिधियों, स्व-सहायता समूह की महिलाओं, लाड़ली बहनों और विभिन्न शासकीय योजना से लाभांवित हितग्राहियों को आमंत्रित किया जाय। कार्यक्रम सभी के समन्वय से हो। रीवा शहर के घरों में पीले चावल देकर लोगों को प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाय। साथ ही प्रबुद्ध वर्ग, स्वयंसेवी संगठनों आदि की भी सहभागिता सुनिश्चित हो।इस दौरान खजुराहो सांसद व्ही.डी. शर्मा, प्रभारी मंत्री बिसाहूलाल सिंह, सांसद जनार्दन मिश्रा, पूर्व मंत्री एवं रीवा विधायक राजेन्द्र शुक्ल सहित जन-प्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

नरेला में चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने किया विकास कार्यों का भूमि-पूजन

भोपाल। चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने शनिवार को नरेला विधानसभा अंतर्गत वार्ड 38 के विभिन्न क्षेत्रों में आरसीसी सड़क एवं नाली निर्माण कार्यों का भूमि-पूजन किया। मंत्री सारंग ने कहा कि 2008 से पहले नरेला विधानसभा में मूलभूत सुविधाओं का अभाव था, जिससे यह पिछड़ी विधानसभा के रूप में जानी जाती थी। वर्तमान में हर घर नर्मदा जल, पक्की सड़कों का जाल, आदर्श ड्रेनेज सिस्टम, स्कूल, कॉलेज, फ्लाईओवर के साथ विभिन्न विकास कार्यों की सौगात रहवासियों को मिली है। इससे अब नरेला आदर्श विधानसभा के रूप में स्थापित हो रही है। जन-प्रतिनिधि, कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या में रहवासी उपस्थित रहे।

मंत्री सारंग ने कहा कि नरेला विधानसभा में करोड़ों की लागत से विकास कार्य किये जा रहे हैं। वार्ड 38 में सीसी सड़क एवं नालियों के निर्माण से रहवासियों को सुविधा के साथ ही क्षेत्र में विकास का विस्तार होगा। उन्होंने बताया कि सुभाष कॉलोनी, पुरूषोत्तम नगर, राजीव नगर, सेमरा सहित विभिन्न क्षेत्रों में आरसीसी सड़क एवं नाली निर्माण का निर्माण कराया जायेगा। शारदा मंदिर पुरूषोत्तम नगर में भूमि-पूजन कार्यक्रम में मंत्री सारंग का रहवासियों ने स्वागत किया। यहाँ विभिन्न स्थानों पर स्वागत मंचों से रहवासियों द्वारा मंत्री सारंग पर पुष्प-वर्षा की गई। इस दौरान ढोल-ताशों के साथ आतिशबाजी भी की गई।

कमिश्नर के दौरे के बाद सक्रिय हुआ बैरसिया का अमला

भोपाल। भोपाल संभागायुक्त श्री माल सिंह द्वारा बैरसिया अनुभाग के उपार्जन केंद्रों के निरीक्षण के बाद स्थानीय प्रशासन भी मुस्तैद हुआ है। एस डी एम बैरसिया ने तहसील के वेयर हाउस संचालक और समितियों के पदाधिकारियों की बैठक लेकर उपार्जन कार्य पूरी गंभीरता से करने की समझाइश दी है। शनिवार को बैरसिया में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री आदित्य जैन द्वारा उपार्जन में संलग्न समितियों, समूह के प्रबंधक, वेयरहाउस के मालिक, प्रबंधक तथा सर्वयरों की बैठक ली गई। बैठक में अनुविभागीय अधिकारी द्वारा किसानों के लिए वेयरहाउस सहित सभी खरीदी केंद्रों पर पीने का पानी, टेंट, कुर्सी एवं ऑफिस सेटअप की व्यवस्था करने तथा समितियों को पर्याप्त संख्या में तोल कांटे एवं हम्मालों की व्यवस्था करने के लिए निर्देशित किया द्य समिति के ऑपरेटरों एवं सर्वेयरों को चमक विहीन गेहूं के प्रतिशत की पोर्टल पर एंट्री के लिए एवं वेयरहाउस मालिकों को 10 प्रतिशत से अधिक चमक विहीन गेहूं की बोरियों पर ँ मार्क लगाया जाकर पृथक स्टेक लगाने के लिए निर्देशित किया। मीटिंग में कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी एवं उपार्जन से संबंधित विभागों के अनुभाग स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

मशीनों से ही करवायें सीवर, मेनहोल एवं सेप्टिक टैंक की सफाई

भोपाल। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने निर्देशित किया है कि सभी नगरीय निकाय मेनहोल टू मशीन-होल%% की प्रक्रिया को अपनाते हुए आधुनिक मशीनों द्वारा ही सीवर, मेनहोल एवं सेप्टिक टेंक की सफाई सुनिश्चित करें। साथ ही स्वच्छता उद्यमियों को स्वच्छता उद्यमी योजना से लाभान्वित करें। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने घोषणा की थी कि नगरीय निकायों में सेनिटेशन पॉलिसी बना कर मेनहोल की सफाई मशीनों से कराई जाने का प्रावधान होगा। मंत्री श्री सिंह ने कहा है कि विभाग द्वारा मेनहोल एवं सेप्टिक टेंक की मशीनीकृत सफाई को बढ़ावा देने के लिये वित्तीय एवं संस्थागत प्रावधान भी किये गये हैं। साथ ही सफाई में लगे हुए सफाई मित्रों को रोजगार देने के उद्देश्य से स्वच्छता उद्यमी योजना भी लागू की गई है। प्रदेश में मेनहोल एवं सेप्टिक टेंकों की मेन्युअल सफाई पूरी तरह से प्रतिबंधित है। इस संबंध में सभी जिलों द्वारा मेन्युअल स्कैवेंजिंग मुक्त जिला होने की घोषणा भी की गई है। भारत सरकार द्वारा भी मेनहोल टू मशीन-होल स्कीम को लागू करने के निर्देश दिये गये हैं।

गाड़ी रुकवाकर खेत में बाली बीनने वालों से कमिश्नर ने किया संवाद

भोपाल। संभाग आयुक्त मालसिंह भयडिया ने शुक्रवार को भ्रमण के दौरान रायसेन जिले के गमाकर गांव में खेतों में फसल कटाई के उपरांत गेंहू की बालियां भरी दोपहर बीनने वालों को देखकर अपनी गाड़ी रुकवाई और उनसे शासकीय योजनाओं के लाभ की जानकारी ली। उन्होंने अनुविभागीय अधिकारी को संबंधित महिला के रोजगार के लिए प्रकरण स्वीकृत करने के निर्देश दिए।

कमिश्नर ने दो महिलाओ और उनके बच्चो से चर्चा कर उनका हाल चाल पूछा तथा पारिवारिक स्थिति शासकीय योजनाओं के लाभ की जानकारी ली। दिव्यांग श्रीमती विनीता अहिरवार ने बताया कि खेत में कटाई के बाद उनके परिवार के द्वारा गेंहू की बालियां बीन कर दिन भर में कम से कम 20 से 25 किलो गेहूं की बालियां संकलित कर ली जाती हैं। चर्चा के दौरान उन्होंने बताया कि उनके परिवार में 6 सदस्य हैं और निःशुल्क राशन 25 किलो मिल रहा है जिसमें 15 किलो गेहूं 10 किलो चावल एवं किलो शक्कर व नमक शामिल है। उन्होंने बताया कि उन्हें और उनके दिव्यांग पति विजय अहिरवार को शासन की पेंशन भी प्रतिमाह मिल जाती है । सांची नगर पालिका के वार्ड तीन में निवासरत दिव्यांग पति-पत्नी ने योजना के माध्यम से स्वरोजगार शुरू करने की अपेक्षा जाहिर करते हुए लाभ दिलाने का आग्रह किया। कमिश्नर ने अधिकारियों को स्वरोजगार स्थापित कराने के लिए प्रकरण स्वीकृत करवाने के निर्देश दिए।

संभागायुक्त ने गेंहू उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण किया

दो समिति प्रबंधक को निलंबित और सलग्न वेयर हाउस को ब्लेक लिस्टेड करने के निर्देश

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

संभाग आयुक्त मालसिंह भयडिया ने समर्थन मूल्य पर गेंहू खरीदी के लिए बनाए गए उपार्जन केन्द्रों पर किसानों के लिए ठीक व्यवस्थाएं नही होने पर भोपाल जिले के धमर्रा और विदिशा जिले के खामखेड़ा केंद्र के सहायक समिति प्रबंधकों को निलंबित करने और दोनों वेयर हाउस को ब्लेक लिस्टेड करने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए है।

संभागायुक्त मालसिंह ने शुक्रवार को संभाग के भोपाल, विदिशा और रायसेन जिले के कई उपार्जन केंद्र पर गेंहू खरीदी कार्य का जायजा लिया तथा किसानों से संवाद कर व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की है। कमिश्नर ने अधिकारियों को मौके पर निर्देश दिए कि किसानों को कोई परेशानी नहीं हो और भुगतान भी समय पर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निरीक्षण की शुरुआत बैरसिया की गुनगा खरीदी केंद्र से की जहां कमोबेश व्यवस्थाएं बेहतर थी। बाद में कमिश्नर धमर्रा केंद्र पहुंचे जहां मां हरसिद्धि वेयरहाउस के निरीक्षण में खरीदी केंद्र पर किसानों के लिए छाया की कोई व्यवस्था नहीं होने के अलावा पीने के पानी की भी पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। गोदाम पर ऑफिस हेतु कुर्सी, टेबिल, कंप्यूटर सिस्टम के साथ ही समिति सर्वेयर भी नहीं पाया गया। कमिश्नर ने तत्काल वेयर हाउस को ब्लेक लिस्टेड करने और समिति प्रबंधक को निलंबित करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त मालसिंह बाद में विदिशा जिले के खामखेड़ा केंद्र पहुंचे जहां अन्य अव्यवस्थाओं के अलावा एक तौल कांटा मानक रूप से सत्यापित नही पाया गया।कमिश्नर ने उक्त स्थिति को भी गंभीरता से लेते हुए यश वेयर हाउस खामखेड़ा को ब्लेक लिस्टेड करने के अलावा समिति के सहायक प्रबंधक को सस्पेंड करने के निर्देश दिए है। कमिश्नर खमतला का लाहोटी वेयर हाउस स्थित केंद्र भी पहुंचे और उपार्जन के तमाम बिंदुओं पर किसानों आदि से स्थिति जानी है। यहां किसानों के लिए बैठक, पेयजल आपूर्ति के अलावा चना - गुड़ के भण्डारित डिब्बे पाए जाने पर संतोष व्यक्त किया। संभाग आयुक्त मालसिंह रायसेन जिले के विदिशा हाईवे के समीप स्थित मगदम लाजॉस्टिक उपार्जन केंद्र और सलामतपुर उपार्जन केंद्र का भी निरीक्षण किया यहां भंडारित किए जा रहे गेहूं के संबंध में जानकारी प्राप्त की । उन्होंने गेहूं की क्वालिटी, नमी की मात्रा की जांच-पड़ताल के साथ-साथ भुगतान के लिए क्या प्रबंध किए गए हैं। किसानों के लिए उपार्जन केंद्र पर क्या-क्या सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं जा रही हैं, इत्यादि की जानकारियां प्राप्त की हैं।उन्होंने सभी केंद्रों पर सर्वेयर से गेहूं में नमी की मात्रा की जांच-पड़ताल की तथा सामने ही प्रायोगिक जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान कृषि विभाग के संयुक्त संचालक,संयुक्त आयुक्त सहकारिता,वेयर हाउसिंग,खाद्य नागरिक आपूर्ति और क्षेत्रीय और कॉपरेटिव बैंक के अधिकारी के अलावा अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

स म्पा द की य

कर्नाटक का नाटक

कर्नाटक में विधानसभा चुनावों से पहले बीजेपी में जिस तरह से नाराजगी उभर रही है, वो बगावत का स्वरूप ले सकती है। पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा को जिस तरह से चुनाव की कमान दी गई, वर्तमान सीएम का खेमा नाराज है। टिकट को लेकर पूर्व डिप्टी सीएम से लेकर तमाम वर्तमान और पूर्व विधायक बगावत करने पर उतारू हैं। कई तो कांग्रेस में ही चले गए। एक मुद्दा नंदिनी बनाम अमुल दूध का भी बना है, जो ऐन वक्त पर भाजपा को बहुत भारी पड़ सकता है।

असल में कर्नाटक कई कारणों से ध्यान खींच रही है। हालांकि अपने देश में चुनावों से पहले पार्टियों में टिकट बंटवारे को लेकर असंतोष कोई नई बात नहीं है। अक्सर यह विवाद बड़ा रूप भी लेता रहा है। लेकिन पिछले कुछ समय से, खासकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की अगुआई वाला दौर शुरू होने के बाद से बीजेपी में इस तरह के दृश्य दिखने लगभग बंद हो गए थे। पार्टी खुद को एक अनुशासित इकाई के रूप में पेश करती थी। उसने कई चुनावों में बड़ी संख्या में मौजूदा विधायकों के टिकट काटने के प्रयोग भी शांतिपूर्ण और अनुशासित माहौल में कर दिखाया।

मगर कर्नाटक में इस बार स्थितियां एकदम उलट हैं। इससे पहले नवंबर महीने में हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में भी कुछ सीटों पर बागियों को मनाने में बीजेपी नेतृत्व को परेशानी हुई थी। तब हिमाचल की कुल 68 विधानसभा सीटों में से 21 पर बीजेपी के बागी प्रत्याशी लड़े थे। नतीजा यह कि बीजेपी बहुमत के आंकड़ों तक नहीं पहुंच पाई। जो जानकार कर्नाटक में भी ऐसा ही कुछ होने के आसार जता रहे हैं, उनका तर्क यह है कि अगर पार्टी के अंदर जीत की उम्मीद होती तो बागी प्रत्याशियों को भविष्य में सत्ता में हिस्सेदारी का आश्वासन काम आ जाता।

यह नहीं काम आ रहा, इसका मतलब है कि बीजेपी के लिए संकेत कुछ खास अच्छे नहीं हैं। कर्नाटक बीजेपी के दिग्गज नेता और पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार ने तो खुलकर कह दिया कि पार्टी टिकट दे या न दे, वह चुनाव लड़ेंगे। दूसरे बड़े नेता ईश्वरप्पा ने खुद चुनाव न लड़ने की बात कही है, लेकिन उनके समर्थक अभी तक सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। बड़ी संख्या में पार्टी की लोकल यूनिटों से जुड़े लोगों के पार्टी से इस्तीफा देने की खबरें आ रही हैं। कहा यह भी जा रहा है कि टिकट काटने के फैसले से ज्यादा नुकसान फैसले के ढंग से हुआ है। अगर इन बड़े नेताओं को पहले से विश्वास में लिया जाता तो ये अपने समर्थकों की नजर में अपमानित नहीं महसूस करते। उस स्थिति में पार्टी का नुकसान भी कम होता।

बहरहाल, चुनाव में अभी भी वक्त है। बीजेपी नेतृत्व इन असंतुष्ट नेताओं और उनके समर्थकों तक पहुंचकर उनकी बात सुन और अपनी बात उन्हें समझा सकता है। पार्टी नेतृत्व इस काम के लिए येदियुरप्पा का इस्तेमाल करना चाहता है। उन पर यह जिम्मेदारी डाली गई है कि वह नाराज नेताओं से बात करें, उनकी नाराजगी दूर करें। लेकिन येदियुरप्पा से तो खुद वर्तमान सीएम बोम्मई सहित कई नेता नाराज हैं। उन्हें लग रहा है कि भाजपा जीती तो भी बोम्मई को सीएम नहीं बनाया जाएगा।

एक मुद्दा दूध का अलग से उभरता दिख रहा है। गुजरात का अमुल दूध कर्नाटक में किसी रणनीति के तहत ही लाया गया है। कर्नाटक में नंदिनी दूध का बोलबाला है और वह अमुल के मुकाबले सस्ता भी है। यह यहां का ब्रांड है। इसे पटकनी देने के लिए अमुल को लाया गया है, ऐसा कहा जा रहा है। चूंकि अमुल गुजरात का है और देश भर में नामी ब्रांड बन चुका है, ऐसे में नंदिनी को झटका लगने की आशंका अधिक है।

नंदिनी दूध से यहां के हजारों हजार लोग जुड़े हैं, रोजगार के मामले में भी और संवेदनात्मक रूप से भी। यह तो नहीं कहा जा सकता कि यह मुद्दा कितना असर करेगा, लेकिन यदि अंदर ही अंदर यह स्थानीय मुद्दे के रूप में कोने-कोने तक पहुंच गया तो भाजपा की बगावत के मुकाबले बड़ा मुद्दा बन जाएगा। फिलहाल तो भाजपा बगावत से जूझ रही है और दिखाने के लिए कांग्रेस के कुछ असंतुष्टों को भाजपा में शामिल भी किया जा रहा है। पार्टी नेतृत्व कितना सफल होगा, नहीं कहा जा सकता, लेकिन फिलहाल कर्नाटक के बाहर जो खबरें पहुंच रही हैं, उनके अनुसार तो यह राज्य भाजपा के हाथ से निकल सकता है।

लोकतंत्र की रक्षा के नाम पर राजनीतिक आत्मरक्षा का प्रयास

सरयूसुत मिश्र

भारतीय राजनीति नित नए रूप लेती जा रही है. मोदी समर्थक और मोदी विरोधियों में विद्वेष बढ़ता जा रहा है. चुनावी राजनीति में नरेंद्र मोदी का मुकाबला करने के लिए एक दूसरे के कट्टर राजनीतिक विरोधी भी अब हाथ मिलाते देखे जा सकते हैं।

कांग्रेस के नए अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का निवास पिछले दिनों विपक्ष की एकता के सृजन का केंद्र बनता दिखाई दिया है. मोदी सरकार के किसी ना किसी कदम से पीड़ित और प्रताड़ित राजनेता मोदी विरोध के लिए लोकतंत्र की रक्षा का राग अलाप रहे हैं. राजनीति में आत्मरक्षा और स्वार्थ पूर्ति के लिए लोकतंत्र और जनहित से ज्यादा उपयुक्त और कोई दूसरे शब्द शायद नहीं हो सकते.

बिहार के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष के निवास पर विपक्षी एकता के लिए जुटते हैं. राहुल गांधी भी इसके लिए बातचीत करते हुए दिखाई पड़ते हैं. महाराष्ट्र से शरद पवार की भी इन नेताओं से मुलाकात होती है. नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से भी मुलाकात करते हैं।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष से अभी तक जिन-जिन नेताओं की मुलाकात हुई है वह तो पहले से ही मिलकर अपने-अपने राज्यों में राजनीति संचालित कर रहे हैं. विपक्षी एकता की बात लोकसभा चुनाव के पहले हमेशा शुरू होती है लेकिन चुनाव आते-आते सारे पत्ते बिखर जाते हैं. एकता इसलिए नहीं हो पाती क्योंकि मोदी विरोध में दिल्ली में तो एक साथ दिखना आसान होता है लेकिन जब राज्यों में राजनीति की जमीन पर खड़े होने की बारी आती है तब उन्हीं दलों के विरोध में राजनीतिक अस्तित्व बनाना होता है।

विपक्षी राजनीति की एकता की शुरुआत न्यायालय के आदेश के बाद राहुल गांधी की संसद सदस्यता जाने के पश्चात तेज हुई है. लगभग हर दल के नेता मोदी सरकार से स्वयं को पीड़ित महसूस कर रहे हैं. नीतीश कुमार के साथ बीजेपी का गठबंधन समाप्त हुआ है. तेजस्वी यादव सीबीआई और ईडी की जांच में घिरे हुए हैं. अरविंद केजरीवाल के दो मंत्री भ्रष्टाचार के आरोप में केंद्रीय जांच एजेंसियों के शिकंजे में फंसे हुए हैं. अब केजरीवाल को भी सीबीआई ने तलब कर लिया है. कई अन्य विपक्षी राजनेताओं के मामले भी जांच एजेंसियों में चल रहे हैं।

देश में आजकल राजनीतिक जगत में अप्रत्याशित और अनहोनी घटनाएं देखी जा रही हैं. कुछ दिन पहले ही विपक्षी राजनीतिक दलों की ओर से सर्वोच्च न्यायालय में भ्रष्टाचार की जांच करने वाली केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्यवाही से संरक्षण के लिए याचिका प्रस्तुत की गई थी. इस याचिका में यह मांग की गई थी कि विरोधी राजनीतिक दलों के नेताओं को विशेष संरक्षण दिया जाना चाहिए।

यह एक अनहोनी ही कही जाएगी कि राज्यों में सरकार चलाने वाले राजनेता भ्रष्टाचार से संरक्षण प्राप्त करने के लिए देश की सर्वोच्च अदालत से गुहार लगाते हैं. सर्वोच्च न्यायालय ने इस याचिका को खारिज करते हुए कोई भी राहत देने से इंकार कर दिया है. अब जैसे जैसे लोकसभा चुनाव करीब आते जा रहे हैं विपक्षी दलों में यह घबराहट साफ देखी जा रही है कि मोदी के विजय रथ को रोकना किसी भी दल के लिए अकेले संभव नहीं है।

भारतीय राजनीति और जनता कभी भी कट्टर विरोध को स्वीकार नहीं करती. लोकतंत्र में चुनाव में उतरने का सभी को अधिकार है. चुनने का अधिकार जनता के पास होता है. उस अधिकार को सकारात्मक दृष्टि से मिलजुल कर प्रभावित करने के प्रयास तो सफल हो सकते हैं लेकिन केवल इस नकारात्मक आधार पर कि किसी एक नेता को पराजित करना है, बिना मुद्दों के इस प्रयास को सफलता मिलना असंभव दिखता है. भ्रष्टाचार के मामलों में मोदी सरकार पर यह आरोप लगाया जाता है कि विरोधी नेताओं को फंसाया जा रहा है।

आपराधिक मामलों में सजा न्यायालय पर ही निर्भर करती है. न्यायालय पर विश्वास ही लोकतंत्र की आधारशिला है. मोदी सरकार भ्रष्टाचार के मामले में कार्यवाही करने के लिए तत्पर दिख रही है और दूसरी तरफ विपक्षी दल भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई को रोकने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दिखा रहे हैं. देश के सामने जब चुनाव के हालात होते हैं, नेता के साथ ही विकास की रणनीति, सरकार की उपलब्धियां, जनता में नेता की लोकप्रियता, महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय राजनीति में उभरने के बाद अपने नाम काम और फेम को जनता के सामने स्थापित कर दो चुनाव में लगातार स्पष्ट बहुमत हासिल किया है।

जनहित के मुद्दों की कसौटी पर मोदी सरकार की लोकप्रियता के मुकाबले में कट्टर विरोध देश में स्वीकार होता दिखाई नहीं पड़ रहा है. देश क्राइम-करप्शन पर मोदी सरकार के एक्शन के पक्ष में दिखाई पड़ता है. विपक्ष की भूमिका इन सभी मामलों में सरकार के कदम का विरोध करते हुए दिखाई पड़ती है।

विपक्षी एकता का पॉलिटिकल एनकाउंटर इसलिए किया जा रहा है कि मोदी विरोधी सभी दल मिलकर शायद मोदी को पछाड़ने में कामयाब हो जाएंगे. विपक्षी राजनीति का नकारात्मक दृष्टिकोण ना केवल असफल होता दिखाई पड़ रहा है बल्कि कट्टर नकारात्मकता मोदी के प्रति सकारात्मकता को बढ़ाने का काम कर रही है. विपक्षी राजनीति की जो वास्तविकताएं हैं उसको देख कर तो ऐसा लगता है कि राष्ट्रीय स्तर पर कोई गठबंधन बन ही नहीं पाएगा।

विपक्ष का हर नेता विपक्षी एकता के लिए आतुर दिखाई जरूर पड़ेगा. मेल मुलाकात के फोटो भी समय-समय पर आते रहेंगे. विपक्ष का कोई भी नेता विपक्षी एकता के बाधक के रूप में दिखाई नहीं पड़ना चाहता लेकिन अंतर्मन से एकता के रास्ते में हिमालय जैसी बाधाएं खड़ी हैं. विपक्षी दलों में एक दूसरे को लेकर इतने अंतर्विरोध और टकराहट हैं कि उनको दरकिनार कर विपक्षी एकता का मजबूत जोड़ कायम करना संभव नहीं लगता. सभी विपक्षी नेताओं के अपने अहम और अहंकार हैं. सबके अपने स्वार्थ और अपनी संप्रभुता के क्षेत्र हैं. दूसरे के आंगन में सब नेता खेलकूद करना चाहेंगे लेकिन अपना आंगन कोई भी नेता किसी दूसरे नेता को देना कभी नहीं चाहेगा।

लोकतंत्र और ईमानदारी के बल पर ही निर्भर भारत की तरक्की

आलोक मेहता

राहुल गाँधी और अरविन्द केजरीवाल इस समय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी , केंद्रीय जांच एजेंसियों के साथ सम्पूर्ण लोकतंत्र के खत्म होने तक के गंभीर आरोप लगा रहे है। शराब घोटाला हो अथवा अडानी की कंपनियों में गड़बड़ी और सरकार से प्रश्रय के मामलों पर अदालतों में सुनवाई और जांच चल रही है । चुनाव आयोग अथवा मीडिया की स्वतंत्रता जैसे मामलों पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले केंद्र सरकार के लिए अनुकूल नहीं हुए। इसी तरह सरकारी जाँच एजेंसियों द्वारा पूछताछ के लिए बुलाने अथवा अदालत में पेश होते समय राहुल गाँधी या अरविन्द केजरीवाल के समर्थकों द्वारा सैकड़ों समर्थकों के साथ राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन क्या न्याय व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह की तरह दबाव का तरीका माना जा रहा है यही नहीं सड़कों पर हजारों लोग क्या किसी तानाशाही व्यवस्था में सड़कों पर महीने भर से प्रधान मंत्री और सरकार को दिन रात गलियां देते हुए आंदोलन कर सकते हैं? अख़बारों , टी वी चैनलों , सोशल मीडिया पर विभिन्न दलों के बड़े या अदने नेता बिना सबूतों के भी अनर्गल बयानबाजी क्या बिना लोकतंत्र के संभव है? इसे तो लोकतांत्रिक व्यवस्था का दुरुपयोग ही कहा जाएगा।

राहुल गाँधी ने कांग्रेस के सत्ता काल में कोई पद नहीं लिया। अरविन्द केजरीवाल ने मुख्यमंत्री रहते हुए चतुराई से कोई विभाग अपने पास नहीं रखा , ताकि भ्रष्टाचार के किसी भी मामले में उनके दस्तखत की कोई फाइल न मिल। लेकिन मोदी सरकार पर सबूतों के बिना वे गंभीरतम आरोप लगाते जा रहे हैं। यही नहीं देश विदेश में भ्रामक प्रचार से न केवल नई पीढ़ी भी भविष्य की चिंता को लेकर परेशान हो रही है , छवि बिगड़ने से भारत में भारी पूंजी लगाने के लिए उत्सुक विदेशी कंपनियां और प्रवासी भारतीय भी दुविधा में फंस रहे हैं। लोकतंत्र में मतभेद, असंतोष, राजनीतिक विरोध, आरोप-प्रत्यारोप, क़ानूनी कार्रवाई के साथ सामाजिक आर्थिक विकास स्वाभाविक है, लेकिन क्या कोई सीमा रेखा नहीं होनी चाहिए।

राहुल गाँधी और उनके अज्ञानी सहयोगी कम से कम अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के पचास सालों के भाषण, सम्मेलनों में कही गई बातों और संसद में अथवा बाहर भी विरोधी नेताओं के तीखे भाषणों का अध्ययन कर सकते हैं। आपात काल के अपवाद को छोड़कर लगभग सभी प्रमुख दलों , विचारों के नेता सत्ता और प्रतिपक्ष में रह चुके हैं। इंदिरा गाँधी को सत्ता से हटने के बाद कुछ दिन जेल भी जाना पड़ा , कितने छापे पड़े , लेकिन उन्होंने या उनके सहयोगियों ने लोकतंत्र ख़त्म होने का आरोप नहीं लगाया। बाद में वह और पार्टी सत्ता में आई , तो आंदोलनों से विरोध हुआ लेकिन यह किसी ने नहीं कहा कि लोकतंत्र ही खत्म हो गया। जय प्रकाश नारायण, मोरारजी देसाई, चौधरी चरण सिंह, अटल बिहारी वाजपेयी, मधु लिमये, जॉर्ज फर्नांडीज जैसे नेता जेल में रहे, लेकिन बाद में सम्पूर्ण व्यवथा पर अनर्गल और अशोभनीय वक्तव्य नहीं देते रहे। किसानों और मजदूरों के लिए आज से कई गुना अधिक लाखों लोगों के प्रदर्शन दिल्ली में हुए हैं, लेकिन ऐसी अराजकता के साथ सीमाओं पर सडकों की हफ्तों की घेराबंदी, राजनीतिक अथवा परदेसी समर्थन से पांच सितारा सुविधाओं वाला आंदोलन दुनिया में देखने को नहीं मिल सकता है। भीड़ तो सामान्य लोगों को भ्रमित कर कोई अपराधी भी जुटा सकता है।

जहाँ तक भ्रष्टाचार की बात है, सम्पूर्ण व्यवस्था को भ्रष्ट करार देना भी निहायत अनुचित है। निश्चित रूप से निचले स्तर पर भ्रष्टाचार चल रहा है। राजनीति में धन बल महत्वपूर्ण हो गया 7 लेकिन सब बेईमान और भ्रष्ट नहीं हैं7 युवाओं के साथ संवाद में मैं ऐसे मुद्दों पर नामों के साथ ध्यान दिलाता हूँ कि भारतीय राजनीति और समाज ईमानदार नेताओं , उनके सहयोगियों , अच्छे अधिकारियों, कानून और न्याय के रक्षक न्यायाधीशों के कन्धों पर ही सुरक्षित रहा है7 डॉक्टर शंकरदयाल शर्मा और प्रकाश चंद्र सेठी जैसे ईमानदार नेताओं के आगे बढ़ाने से महत्वपूर्ण पदों पर पहुंचे थे 7 डॉक्टर शर्मा भी मुख्यमंत्री , केंद्रीय मंत्री , राज्यपाल, राष्ट्रपति तक रहे, लेकिन एक निजी दाग नहीं लगा7 सेठीजी तो मुख्यमंत्री के अलावा केंद्र में गृह, रक्षा , विदेश , पेट्रोलियम , रसायन , इस्पात सहित अधिकांश मंत्रालयों में दशकों तक मंत्री रहे, पार्टी के कोषाध्यक्ष रहे 7 एक बार तो मैंने उनके सचिव के केबिन में बिड़लाजी तक को इन्तजार करते देखा 7 लेकिन सेठीजी ने कभी व्यक्तिगत लाभ नहीं लिया। मध्य प्रदेश के लोग जानते हैं कि जीवन के अन्तिम वर्षों में उन्हें कितनी आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा , इलाज तक के लिए मुश्किल से इंतजाम हुए 7 भागवत झा आज़ाद, मुरली मनोहर जोशी, कुशाभाऊ ठाकरे, सुन्दर सिंह भंडारी जैसे नेताओं ने अनेकानेक लोगों को तैयार किया 7 ईमानदारी के आदर्श प्रस्तुत किए।

इसी परम्परा में नरेंद्र मोदी तीन बार मुख्यमंत्री रहने के बाद नौ वर्षों से प्रधान मंत्री हैं, लेकिन व्यक्तिगत भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा। उनके साथ मंत्रिमण्डल में अमित शाह, राजनाथ सिंह, निर्मला सीतारमण, एस जयशंकर, किरण रिजूजी जैसे कई मंत्री हैं और उन पर भ्रष्टाचार कोई आरोप नहीं लगाया जा सका। इसी तरह विभिन्न दलों के कई महत्वपूर्ण सांसदों के नाम ईमानदार सूची में गिनाये जा सकते हैं। लोकतंत्र ऐसे लोगों के बल पर ही जीवित है और रहेगा। फिर भी यह तथ्य ध्यान रखना होगा कि सम्पूर्ण राजनीतिक व्यवस्था में सुधार के लिए सभी दलों और संस्थाओं को कुछ बदलाव करने होंगे। वर्षों से चुनावी खर्च पर अंकुश के लिए विभिन्न मंचों, चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट तक बहस होती रही है। लेकिन सारे नियम कानून के बावजूद खर्च कम होने के बजाय बढ़ रहा है। अब कर्नाटक विधान सभा चुनाव से पहले ही टिकट और उम्मीदवारी के रेट करोड़ों में खरीद फरोख्त की बातें सामने आ रही हैं। महत्वपूर्ण चुनाव क्षेत्रों में बीस पच्चीस करोड़ तक खर्च की संभावनाएं बताई जा रही हैं। इसी तरह अंतिम समय में नेता दल बदल रहे हैं। यदि चुनाव में इतना खर्च होगा, तो चुने जाने के बाद क्या नेता या उसे सहायता करने वाले ब्याज सहित वसूली नहीं करेंगें? सबसे दिलचस्प बात यह है कि दस साल पहले बनी पार्टी और उसके नेता भी चुनाव प्रचार और अन्य गतिविधियों पर करोड़ों रुपए खर्च कर रहे हैं। बाद में चाहे उनके भ्रष्टाचार के आरोप सामने आते रहें। इसी तरह गंभीर अपराधों में चार्जशीट हो चुके लोगों के उम्मीदवार बनने पर रोक के पुराने प्रस्तावों पर शीघ्र निर्णय की जरुरत है।

संकटमोचक बनकर उभरते नीतीश और कमलनाथ

अरुण पटेल

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी यह बात भलीभांति समझ चुके हैं कि यदि 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए के सामने कड़ी चुनौती पेश करना है तो उसके लिए विपक्षी दलों की एकता अत्यंत जरुरी है। वह ये भी समझते हैं कि विपक्ष के सभी दलों से बात करना कांग्रेस के लिए न तो आसान है और न ही क्षेत्रीय दलों से सीधे संवाद स्थापित करना उसके लिए संभव होगा, इसलिए बीच में किसी ऐसे नेता की जरुरत होगी जो सबसे बात कर सके। लगता है कांग्रेस को संकटमोचक के रुप में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मिल गये हैं जो सभी विपक्षी दलों से बात भी कर सकते हैं और किसी न किसी रुप में आपस में सभी दलों के बीच तालमेल स्थापित करा सकते हैं। कांग्रेस पार्टी को इस समय दो मोर्चों को एक साथ साधना होगा, पहला तो उसे अधिक से अधिक विपक्षी दलों के बीच समन्वय की दरकार है तो वहीं दूसरी ओर घरेलू मोर्चे पर राज्यों में जो असंतोष अंदरखाने खदबदा रहा है और कहीं-कहीं सतह पर आता जा रहा है उसका शमन करना भी जरुरी है। सोनिया गांधी के राजनीतिक सलाहकार रहे अहमद पटेल के निधन के बाद में कांग्रेस किसी ऐसे नेता का अभाव महसूस किया जाता रहा है जो पार्टी के लिए संकटमोचक बन सके। ऐसे में संकेत मिल रहे हैं कि मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ उसके लिए संकटमोचक की भूमिका में आते जा रहे हैं। आबकारी घोटाले में फंसी आम आदमी पार्टी सरकार के मुखिया मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल तक भी अब घोटाले की आंच आने लगी है और सीबीआई ने रविवार 16 अप्रैल को पूछताछ के लिए उन्हें तलब किया है। इस प्रकार अब दिन प्रतिदिन उन राज्यों में जहां चुनाव इस वर्ष होना हैं वहां तथा विपक्ष शासित राज्यों में केन्द्र से टकराहट बढ़ने की संभावना को नकारा नहीं जा सकता।

आबकारी नीति घोटाले में फंसी दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद अब जांच के घेरे में स्वयं मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल भी उलझते नजर आ रहे हैं। इस मामले में सीबीआई की एफआईआर में आरोपित होने के बाद जांच के दौरान एक आरोपित और एक गवाह के बयान में केजरीवाल के नाम का भी उल्लेख हुआ है। हालांकि सीबीआई की एफआईआर में केजरीवाल आरोपित नहीं हैं लेकिन उन्हें छुट्टी के दिन रविवार को 11 बजे जांच एजेंसी सीबीआई मुख्यालय बुलाया गया है। इस दौरान आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं के धरना-प्रदर्शन की आशंका को देखते हुए सीबीआई ने रविवार का दिन तय किया है। इस मामले में राजनीतिक संवेदनशीलता को समझते हुए फिलहाल अधिकारी पूछताछ के पहले इस मुद्दे पर बोलने से बच रहे हैं। लेकिन ईडी की चार्जशीट में दो जगह केजरीवाल का नाम सामने आया है, दूसरी चार्जशीट में घोटाले में गिरफ्तार इंडो स्प्रिट के मालिक समीर महेन्दू के बयान का हवाला दिया गया है। महेन्दू के अनुसार उसके कहने पर विजय नायर ने तीन बार केजरीवाल से मुलाकात का समय तय करने की कोशिश की थी लेकिन मुख्यमंत्री की व्यस्तता के कारण यह संभव नहीं हो सका था। इसके बाद नायर ने फेसटाइम पर वीडियो काल कराई थी। बातचीत में केजरीवाल ने नायर को अपना आदमी बताया और उसके साथ काम करने की सलाह दी थी।

आरोप है कि होलसेलर को दिए गए 12 प्रतिशत लाभ में से आम आदमी पार्टी 6 प्रतिशत कमीशन के रुप में लेती थी। ईडी की चार्जशीट में दूसरी जगह पर मुख्यमंत्री केजरीवाल का उल्लेख मनीष सिसोदिया के पीएस सी. अरविन्द के बयान में आया है उसके अनुसार सी.अरविन्द ने सिसोदिया द्वारा मार्च 2021 में मुख्यमंत्री आवास पर बुलाये जाने की बात कही है, जहां सिसोदिया के साथ केजरीवाल और सत्येंद्र जैन भी थे। उनके सामने ही सिसोदिया ने 30 पन्नों का नोट सौंपा था उसके आधार पर मंत्रिमंडलीय समूह की रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया था। इस नोट में पहली बार होलसेलर को 12 प्रतिशत लाभ देने का जिक्र था। अरविन्द केजरीवाल का कहना है कि ईडी लोगों को टार्चर कर एवं दबाव डालकर झूठे बयान ले रही है, ईडी का दावा है कि मनीष सिसोदिया ने अपने फोन तोड़ दिए जबकि उनमें से कई फोन ईडी की कस्टडी में हैं और सारा मामला मनगढंत है। राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा है कि जबसे केजरीवाल ने बताया कि अदाणी की कंपनियों में लगा पैसा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का है तभी से उनके खिलाफ पीएम ने साजिश रचना शुरु कर दी और 16 अप्रैल को केजरीवाल को गिरफ्तार कर जेल में डालने की साजिश रची गयी है। अब देखने वाली बात यही होगी कि केजरीवाल जेल जाते हैं या नहीं।

नीतीश को है सबके साथ आने का भरोसा

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने तीन दिन के अपने दिल्ली के राजनीतिक मिशन के बाद पटना लौटते ही विश्वास जताया है कि विपक्षी पार्टियां एक साथ आयेंगी और उनका गठबंधन हो जायेगा। यहां एक कार्यक्रम में नीतीश का कहना था कि उन्होंने कई पार्टियों से बात की है और वे साथ आने के लिए तैयार हैं। दिल्ली में कांग्रेस नेताओं के अलावा आम आदमी पार्टी, सीपीएम और सीपीआई के नेताओं से उन्होंने मुलाकात की थी। कई और पार्टियों के नेताओं से भी वे आने वाले समय में मुलाकात करने वाले हैं। अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए नीतीश कुमार ने कहा कि अभी भी कुछ और पार्टियों से बात करने की जरुरत है, वे सभी एक-दूसरे से बात करेंगी। बहुत जल्द ही ज्यादातर पार्टियां एक साथ आयेंगी। मैंने कांग्रेस पार्टी के नेताओं से विस्तार से बात की है और हर कोई सहमत हो गया है। अब हम भाजपा के खिलाफ एकजुट हो रहे हैं। नीतीश ने कहा कि मेरा मिशन यह है कि सभी पार्टियां एक साथ बैठें और तय करें कि 2024 के चुनाव के लिए क्या करना है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से नीतीश कुमार और उनके उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की बैठक हुई थी, इस बैठक में नीतीश कुमार उन पार्टियों से बात करने को राजी को गये हैं जो भाजपा व कांग्रेस से समान दूरी बनाकर चलती हैं। कांग्रेस नेताओं से मिलने के बाद पहली फुर्सत में ही अरविन्द केजरीवाल से नीतीश की मुलाकात हुई, उसके बाद केजरीवाल ने कहा कि मैं पूरी तरह से उनके साथ हूं, यह बहुत जरुरी है कि पूरा विपक्ष देश में एक साथ आये और केंद्र में सरकार बदले। नीतीश कुमार का अगला मिशन तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव और तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को मनाना है। इन दोनों पार्टियों ने कांग्रेस के साथ काम करने से इन्कार कर दिया है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के साथ भी नीतीश कुमार बात करेंगे तथा कांग्रेस के साथ तालमेल के लिए अखिलेश यादव को मनायेंगे।

और यह भी

राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट की टकराहट के कारण जो सियासी संकट छाया हुआ है उस विवाद को सुलझाने की जवाबदारी कमलनाथ ने अपने कंधे पर ले ली है और उन्होंने सचिन से दो घंटे तक चर्चा की है जिससे विवाद के थमने के आसार नजर आने लगे हैं। विगत गुरुवार 13 अप्रैल को पायलट और कमलनाथ के बीच लगभग 2 घंटे की चर्चा हुई और इस चर्चा के बाद पायलट की नाराजगी कुछ दूर भी हो गयी है। इस चर्चा में कांग्रेस महासचिव के.सी वेणुगोपाल भी मौजूद थे। कांग्रेस के अंदर संकटमोचक की भूमिका में आते जा रहे कमलनाथ का जोर इस बात पर रहा कि पायलट की नाराजगी को दूर किया जाए और यह भी जानने का प्रयास किया कि आखिर दिक्कत कहां है। इस दौरान उन्होंने पायलट और गहलोत के बीच मतभेद को समाप्त करने के तरीकों पर चर्चा की।

कमलनाथ ने इस बात की तस्दीक करते हुए कहा कि दिल्ली में मेरी सचिन पायलट से चर्चा हुई। सचिन ने अपनी शर्त रखी है, नाराजगी जैसी कोई बात नहीं है सब ठीक हो जायेगा। सचिन ने यह साफ किया कि उनका अनशन पार्टी विरोधी नहीं था बल्कि उन्होंने जनहित के मुद्दों को उठाया था। कमलनाथ की अभी सचिन से ही चर्चा हुई है, जरुरत पड़ी तो कमलनाथ राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से भी चर्चा कर सकते हैं। राहुल गांधी से बात कर सुलह का कोई स्थाई फार्मूला निकालने का प्रयास भी कमलनाथ कर सकते हैं। अब यह तो राजस्थान का वाकया है लेकिन ऐसा समझा जा रहा है कि भविष्य में जिन राज्यों में कांग्रेस के अंदर अंदरुनी अंतर्कलह तेज होगी उसे थामने के लिए भी आलाकमान कमलनाथ को आगे कर सकता है क्योंकि कमलनाथ एक ऐसे अनुभवी और वरिष्ठ राजनेता हैं जो कांग्रेस ही नहीं बल्कि गैर भाजपाई विपक्षी दलों से भी बातचीत कर सेतुबंध का काम कर सकते हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

हनुमान मंदिर से दान पेटी की चोरी

नैनपुर चकोर तट हनुमान मंदिर की दान पेटी चोरी होने की रिपोर्ट नैनपुर पुलिस थाने में की गई है पुलिस की सक्रियता से दान पेटी बरामद हुई है नदी किनारे मिली है मामले में दो युवकों को पकड़ा गया है थाना प्रभारी दुर्गा प्रसाद के निर्देशन में अपराधियों को पकड़ने में मिली सफलता की सराहना की गई है

सीतानगर परियोजना से अलग किए गए गांवों को पुनः जोड़ा जाये सिद्धार्थ ने मुख्यमंत्री एवं कलेक्टर को लिखा पत्र

दमोह ।दमोह सीतानगर परियोजना में मूलभूत परिवर्तन की जांच कर पुनः पूर्ववत करने के संबंध में सिद्धार्थ मलैया ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और कलेक्टर दमोह को पत्र लिख कर सीतानगर सिंचाई परियोजना में जो मूलभूत परिवर्तन कर दमोह तहसील के 33 ग्रामों को पृथक कर दिया गया है उन्हें पुनः परियोजना में सम्मिलित करने, एवं परिवर्तन की निष्पक्ष जांच की मांग की।

सिद्धार्थ मलैया ने जानकारी देते हुए बताया कि दमोह जिले की सीतानगर परियोजना कुल लागत (518.09 करोड) है। जिसमें दमोह जिले की 16200 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई किया जाना प्रस्तावित है। जिसमें दमोह तहसील के 11400 हेक्टेयर क्षेत्र जिसमें 62 ग्राम एवं पथरिया तहसील की 4800 हेक्टेयर क्षेत्र जिसमें 22 ग्राम सम्मिलित थे। परन्तु प्राप्त जानकारी अनुसार सीतानगर परियोजना में मूलभूत परिवर्तन कर दमोह तहसील के 33 ग्रामों को परियोजना से पृथक कर दिया गया हैं। मैंने कलेक्टर दमोह को पत्र के माध्यम से यह आग्रह किया है कि पूर्व की प्रशासकीय स्वीकृति के पश्चात परियोजना के मूल उद्देश्य को षड़यंत्र पूर्वक परिवर्तित कर दमोह तहसील की जनता के साथ अन्याय किया गया, इसकी निष्पक्ष जांच की जायें। एवं सीतानगर परियोजना में पूर्व में दमोह तहसील के जो 62 ग्राम सम्मिलित थे और वर्तमान में जो 33 ग्राम पृथक किये गये हैं। पूर्ववत दमोह तहसील के 33 ग्रामों को पुनः जोड़कर कुल 62 ग्रामों को परियोजना में सम्मिलित किया जायें ।

संगम सेवालय ने आदिवासी ग्राम राईपुरा में किया कपड़ा वितरण

छतरपुर। समाजसेवी संस्था संगम सेवालय द्वारा जिले किशनगढ़ क्षेत्र में आदिवासी बहुल राईपुरा पंचायत में जरूरतमंदों को कपड़ा वितरण किया गया। पंचायत भवन में ग्रामीणों गाँव मे कपड़ो का वितरण किया यहाँ बच्चों के 90 जोड़ी कपड़े, 50 साड़ी, 70 जोड़ी पेंट-शर्ट, 80 सलवार सूट और 20 जोड़ी कुर्ता पायजामा का वितरण किया गया। संस्था सदस्य शिवम तिवारी ने बताया कि हमारे द्वारा शहर के लोगो से कपड़े एकत्र किए जाते हैं, फिर उनको जरूरतमदों को कपड़े वितरण किया जाता है। इस मौके पर राईपुरा पंचायत सरपंच चुरामन प्यासी, सचिव ओमप्रकाश दुबे, किशनगढ़ मंडल अध्यक्ष चतुर्भुज प्यासी, देवेंद्र सेन,जयनारायण पाठक, प्रमोद रैकवार, जीतेन्द्र शर्मा सहित बड़ी संख्या ग्रामीण उपस्थित रहे।

विधायक दिनेश राय अस्पताल पहुंच लिया व्यवस्थाओं का जायजा

सिवनी– बीते 15 अप्रैल को सिवनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिनेश राय मुनमुन ने जिला अस्पताल में व्यवस्थाओं का जायजा लिया। विधायक ने प्रातः 11-30 बजे जिला अस्पताल पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा। ज्ञात हो कि अस्पताल में कम्प्टराईज़ मशीन से टोकन प्राप्त करने के पश्चात स्क्रीन पर नंबर आने पर मरीजों को उपचार के लिए पर्ची जारी करने की व्यवस्था लागू की गई है जिससे मरीजों को बिना परेशानी के डाक्टर के परामर्श के लिए पर्ची बनाई जा सके। आज दौरे के दौरान पर्ची जारी करने वाले कर्मचारियों की कमी के चलते भीड़ बढ़ने से अव्यवस्था हो रही थी। जिसके लिए विधायक दिनेश राय मुनमुन ने कर्मचारी बढ़ाकर ओपीडी में टोकन व पर्ची के सुचारू संचालन की बात कहते हुए उपस्थितों से कहा कि भीड़ न लगाएं और टोकन के आधार पर काउंटर पर जाकर सरलता से पर्ची बनवाए। इसके साथ ही सरकारी नौकरियों में भर्तियों के लिए अनिवार्य मेडिकल प्रमाण पत्र बनवाने अभ्यर्थियों को अस्पताल में फार्म न मिलने की शिकायत पर मेडिकल फ़ार्म की व्यवस्था बनवाया। इसके अलावा विधायक ने उपस्थित स्वास्थ्य अधिकारियों से पिछली रोगी कल्याण समिति की बैठक में लिए गए निर्णयों पर हुई प्रगति की जानकारी प्राप्त कर कोरोना के संबंध में भी चर्चा किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान के प्रस्तावित भ्रमण को लेकर कलेक्टर ने की तैयारियों की समीक्षा

सिवनी– मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के 20 अप्रैल को केवलारी में प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर कलेक्टर श्री क्षितिज सिंघल ने शनिवार को सभी अनुविभागीय अधिकारियों, सीईओ जनपदों सहित अन्य विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिये।उन्होंने मुख्यमंत्री श्री चौहान के मुख्य आतिथ्य में आयोजित होने वाले लाड़ली बहना सम्मेलन में शामिल होने वाले हितग्राहियों के लिए वाहन व्यवस्था, खान-पान के संबंध में चर्चा करते हुए कहा कि विकासखंडवार- ग्रामवार वाहन व्यवस्था की माइक्रो प्लानिंग की जाये, जिलें के प्रत्येक विकासखंड से आने वाले वाहनों का निर्धारित रूट प्लान हो, और कार्यक्रम स्थल में भी निर्धारित पार्किंग व्यवस्था रहें। उन्होंने प्रत्येक वाहन में मेडिसिन किट की व्यवस्था रखने के भी निर्देश दिया।कलेक्टर श्री सिंघल ने प्रत्येक विकासखंड में कंट्रोल रूम स्थापित करने के भी निर्देश दिये। उन्होंने निर्माण विभाग एवं हितग्राही मुलक विभागों के अधिकारियों को कार्यक्रम के माध्यम से होने वाले भूमिपूजन-लोकार्पण तथा हितग्राहियों की जानकारी उपलब्ध कराते हुए कार्यक्रम के व्यवस्थित आयोजन के लिए सभी तैयारियां रखने के निर्देश दिये।

माल्यर्पण कर मनाई संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती

ओबेदुल्लागंज। संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाई गई इस अवसर पर ब्लाक कांग्रेस के तत्त्वाधान में भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यर्पण कर सभी कांग्रेस के पदाधिकारियों ने उनके द्वारा बताए मार्गों पर चलने का प्रण लिया। सभी उपस्थिति जनों द्वारा संविधान समिति के अध्यक्ष बाबा साहब की दूरगामी सोच और राष्ट्रनिर्माण की विचारधारा जीवन में उतारने पर जोर दिया गया। वही देर शाम नगर में पूरे श्रद्धा व उल्लास के साथ बाबा भीमराव अंबेडकर की शोभायात्रा निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता शामिल रहे उक्त आयोजन अंबेडकर चौराहे पर आयोजित किया गया इस दौरान ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र सिंह राजू, सुरजीत सिंह विल्ले, तूफान सिंह राजपूत, विनोद इरपाचे, महेश जैन, संजय सिंह चौहान, जगन्नाथ पटेल, विक्रांत राय, परेश नागर, उत्तम यादव चंदा चौहान, वंदना मालवीय, पवित्र कौर, मन्नू बाबा, मनोज खटीक, आशीष गौर, दुर्गेश यादव, राजू मेहरा, राजेंद्र परमार, महेंद्र धाकड़, विनोद नामदेव विशेष रूप से उपस्थित रहे।

दीवान की तलैया अब लेगी नया रूप केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री पटेल ने सीएमओ को दिए निर्देश

दमोह । दमोह अब बदलेगा दीवान जी की तलैया का स्वरूप केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने निरीक्षण के दौरान दमोह नगर पालिका सीएमओ भैयालाल सिंह से कहा अभियान चलाकर पानी मिट्टी निकालना है और उसमें जितना भी आसपास के मकानों का गंदा पानी आता है उनको शक्ति के साथ बंद कराना है जिससे एक बूंद भी गंदा पानी इसमें ना आए सख्त कार्रवाई करना किसी को कोई परेज नहीं करना किसका है कौन है।

केन्द्रीय राज्यमंत्री प्रहलाद पटेल पटेल ने निरीक्षण दौरा सीएमओ से सख्त निर्देश दिये की कोई भी दमोह दीवान जी की तलैया को सुखा करके रिसेट करना हमारी पहली जिम्मेदारी होगी । जितने भी आसपास के मकान है, जिनका गंदा पानी इसमें आता है, उनको शक्ति के साथ में टेप करना है ताकि एक बूंद भी गंदा पानी न आए और फिर तीसरा काम यह होगा तलैया के सूखने के समय जितना भी मटेरियल इसमें से निकाल सकते हैं उसको निकालें और चौथा काम है बरसात का जो केचमेंट है जो रास्ते में रखा है उसको खोलना, चाहे वह किसी का भी हो, तब जाकर दीवान जी की तलैया का अस्तित्व बच पाएगा और मैं मानता हूं इस काम को इस वर्ष में संकल्प के साथ पूरा करेंगे।यह बात केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एवं जल शक्ति राज्यमंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने आज

प्रातः दीवान जी की तलैया के निरीक्षण दौरान कही। उन्होंने बंद ओव्हर फ्लो को चालू कराया जिससे तलैया का पानी खाली हो सके।

केन्द्रीय राज्यमंत्री पटेल ने कहा इसके चारों तरफ कितने सुंदर पुराने घाट बने हुए हैं, यदि इसके चारों तरफ सड़क बना दी जाएगी तो मुझे लगता है कि पानी दुर्गंध नहीं देगा तो कोई भी यहां पर बीच शहर में आना पसंद करेगा। उन्होंने कहा पिछली बार भी दीवान जी की तलैया की पानी की निकासी कराई गई थी और इसकी निकासी से शहर की निकासी भी स्पष्ट हुई थी, हम आगे के दिन इसको कैसे बनाएंगे लेकिन उसके आसपास के रहवासी हैं, उनका गंदा पानी भी इसमें जाता है, अन्यथा उसका केचमेंट ऐसा है की बरसात का पानी पूरी तरह से इसमें आता है जैसे की बेलाताल में जाता है वैसे ही दीवान जी की तलैया में जाता है। इस अवसर पर मप्र वेयर हाऊस लॉजिस्टिक एवं कॉर्पोरेशन अध्यक्ष राहुल सिंह, सांसद प्रतिनिधि नरेन्द्र बजाज, डॉ आलोक गोस्वामी, राजू कमल ठाकुर, यशपाल सिंह ठाकुर, सहायक निज सचिव राजकुमार सिंह, माणिकचंद सचदेवा, पार्षद विजय जैन, सीएमओ भैयालाल सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे।

संत संतोंख सिंह भजनगढ़ गुरुद्वारा में वैशाखी पर्व उत्साह से मनाया गया

ओबैदुल्लागंज। अर्जुन नगर वार्ड नंबर 10 मैं स्थित संत संतोख सिंह भजनगढ़ गुरुद्वारा में सिख समुदाय द्वारा वैशाखी पर बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया गया , बैसाखी पर्व कार्यक्रम में रागीं करन सिंह बुराहन पुर, रागीं जत्था भोपाल से एवं कथाकार जगजीतसिंह (जीते भैया) ने सिख सर्जना दिवस पर प्रकाश डाला । वहीं रसलीन, गुरविंदर , सतकीरत नामक छोटी-छोटी बालिकाओं ने भी अपने विचारों की प्रस्तुतियां रखी , और कविताएं भी पढ़ कर सुनाई । वैसाखी पर्व पर पाठ साहिब, कीर्तन, कथा,कविता, का अयोजन के बाद गुरुद्वारा के वजीर भगवान सिंह ने अरदास की ओर हुकुमनामा सुनाया और वैशाख महीना की महिमा बतलाई । तत्पश्चात गुरू का अटटाटूट लंगर बटा , वैशाखी पर्व के कार्यक्रम में नगर की हिंदु उत्सव समिति के अध्यक्ष राजेश खटीक , भारतीय जनता पार्टी नेता जे पी शर्मा , गणैश मालवीय , सोनू चोकसै , पंजाबी समाज के अध्यक्ष सुरजीत सिंह बिल्ले का गुरुद्वारा की संगत ने सरोपा भेंट कर इन्हें सम्मानित किया गया । वैशाखी पर्व कार्यक्रम में नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष तूफान सिंह राजपूत , पूर्व पार्षद पामेश यादव , डॉ सुनील गुप्ता , मनोज चौरसिया , सुरजीत सिंह बिललै, सुरजीत सिंह गिल, दैवेंदर राजू, लखविंद्र लकली, पवन खालसा , मनजीत सिंह गुरमीत सिंह, पवित्र कौर, जसविंदर कौर , गुरचरन कोर , आदि गणमान्य जन उपस्थित थे ।

मेडिकल कालेज के लिए फिर शुरू हो गया आंदोलन

मेडिकल संघर्ष मोर्चा क्रमिक अनशन पर बैठा

छतरपुर। छतरपुर में पूर्व घोषित और 5 साल पहले भूमिपूजन हो जाने के बाद भी अधर में लटके मेडिकल कॉलेज का निर्माण अतिशीघ्र कराने की मांग को लेकर मेडिकल संघर्ष मोर्चा ने शनिवार से छत्रसाल चौक पर 5 साल बाद फिर क्रमिक अनशन शुरू कर दिया।

संघर्ष मोर्चे की मांगों में अतिशीघ्र मेडिकल कॉलेज का निर्माण करने, नवीन सत्र 2023-24 से कक्षाएँ शुरू करने और रतलाम की तरह जिला अस्पताल में अस्थाई कॉलेज प्रारंभ करने की मांग प्रमुख है। आन्दोलन के पहले दिन आज 25 लोग क्रमिक अनशन पर बैठे। वरिष्ठ चिकित्सक डॉ सुभाष चौबे ने अनशनकारियों का माल्यार्पण कर धरना शुरू कराया।

क्रमिक अनशन में आज हरिप्रकाश अग्रवाल, नाथू राम साहू, रोहित राजा उर्फ दिव्य राज सिंह परिहार, रमेश तिवारी, राम स्वरूप शुक्ला, घनश्याम दास गुप्ता, राकेश चौरसिया, अनिल गंधी, अभिषेक चौरसिया, राकेश गुप्ता, संजय शर्मा, सुरेश बाबू खरे, विवेक रूसिया, देवेन्द्र भंडारी, अशोक नायडू, काशीराम सोनी, अनिल गुप्ता, मनीष पिपरसानिया, बृजेश सक्सेना, महेश गुप्ता, रवीन्द्र व्यास, अश्विनी राय, ब्रजेश पांडे, आलोक भारती और अरुण कुमार राय बैठे। आम आदमी पार्टी के प्रदेश सचिव अमित भटनागर ने भी धरना स्थल पर पहुंच कर आंदोलन का समर्थन किया। आंदोलन के दूसरे दिन रविवार को पेंशनर एशोसियेशन और विद्युत मंडल पेंशनर एशोसियेशन के सदस्य क्रमिक अनशन पर बैठेंगे।

अंबेडकर बुद्धिस्ट चैरिटेबल सोसायटी के तत्वधान में निकली बाबा साहेब की जयंती पर भव्य शोभायात्रा

ओबैदुल्लागंज । मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था अंबेडकर बुद्धिस्ट चैरिटेबल सोसायटी द्वारा भारत रत्न संविधान निर्माता डॉ बाबासाहेब अंबेडकर जी की 132 वी जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई , संस्था द्वारा भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया था , नगर के अंबेडकर चौराहे पर बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण के पश्चात शोभा यात्रा निकाली गई , शोभा यात्रा का कार्यक्रम अंबेडकर चौराहे से प्रारंभ होकर मुख्य बाजार होते हुए चौराहे से वापस अंबेडकर चौराहे पर समापन हुआ , कई सामाजिक संगठन तथा जनप्रतिनिधियों ने बाबा साहब के जुलूस का भव्य स्वागत किया , कार्यक्रम में रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय महासचिव मोहनलाल पाटिल , नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी सोनू चौकसे , सीएमओ श्रीमती सोनाली शर्मा , भाजपा जिला महामंत्री रविंद्र विजयवर्गीय , भाजपा मंडल अध्यक्ष सोनू चौकसे , युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष भूपेंद्र नागर , भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता जय प्रकाश शर्मा पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष सुरजीत सिंह बिल्ले , अंबेडकर बुद्धिस्ट चैरिटेबल सोसायटी के अध्यक्ष सुनील सेरिया , राजेंद्र साहू (गुड्डू भैया) इमरत सिंह दरबार , सुनील बाल्मीकि , ब्लॉक कांग्रेश अध्यक्ष देवेंद्र सिंह राजू , अमित श्रीवास्तव , सौरभ मालवीय , भवानी पवार , बंजारा समाज के अध्यक्ष मोहनलाल बंजारा , मुकेश जाटव , रमेश सेरिया , गोपाल अहिरवार , अनुराग सेरिया , नायब तहसीलदार नरेश सिंह राजपूत , थाना प्रभारी संदीप चौरसिया आदि सभी ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनको नमन किया , कार्यक्रम में आसपास ग्रामीण क्षेत्र के कई ग्रामों के गणमान्य जन भी बाबा साहब की शोभायात्रा में सम्मिलित हुए ।

भारतीय विद्यार्थी सेना (शिवसेना) ने किया विश्वविद्यालय में जमकर हंगामा

ख़राब रिजल्ट को लेकर आक्रोशित हुई विद्यार्थी सेना 10 दिन का दिया अल्टीमेटम

छतरपुर - विगत दिनों महाराजा छत्रसाल बुन्देलखंड विश्वविद्यालय द्वारा जो रिजल्ट घोषित किया गया उसमे व्यापक स्तर पर त्रुटियां पाई गई जिसको लेकर शिवसेना की छात्र इकाई भारतीय विद्यार्थी सेना के पदाधिकारियों के पास छात्र-छात्राओ की शिकायत आई जिसको लेकर सेना के पदाधिकारियों ने छात्र-छात्राओ महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय का जिला अध्यक्ष योगेन्द्र पाल एवं प्रभारी प्रिंस द्विवेदी के नेतृत्व में घेराव किया गया इस आन्दोलन में मुख्य अतिथि के रूप में युवासेना जिलाध्यक्ष नीतेश तिवारी,महामंत्री ऋषभ अवस्थी शामिल हुए जऔर एक ज्ञापन सौपा ज्ञापन में बताया गे कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा वर्ष 2021-22 में सप्लीमेंट्री का परीक्षा एवं पी.जी के प्रथम सेमेस्टर का जो परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय द्वारा जारी किया गया उसमे छात्र-छात्राओ को अनुपस्थित कर दिया गया जबकि वह अनुपस्थित छात्र-छात्राओ ने परीक्षा में भाग लिया था 7 यु.जी. के सप्लीमेंट्री के परीक्षा परिणाम के छात्र-छात्राओ को पिछली परीक्षा के अंक इस वर्ष की अंकसूची मे दे दिए गए 7 यहाँ तक यु.जी. के छात्र-छात्राओ के द्वारा सप्लीमेंट्री का प्रेक्टिकल दिया गया है जबकि विश्वविद्यालय द्वारा जो परीक्षा परिणाम जारी किया गया उसमे सभी छात्र-छात्राओ को अनुपस्थित दर्शाया गया जो समझ से परे है जब ज्ञापन देने ग ए

पदाधिकारियो से कुलसचिव एवं विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा गलत तरीके से बात की गई तो युवा सेना अध्यक्ष नीतेश तिवारी और कुलसचिव के बीच तीखी बहस हो गई और यह कहा गया कि आपका काम छात्र-छात्राओ की समस्या सुनना है नाही गलत भाषा का प्रयोग करना यदि ऐसी गलती द्वारा हुई तो बर्दाश्त नहीं की जाएगी इसके बाद कुलसचिव ने आश्वाशन दिया है कि हम 10 दिनों में सटीक जाँच करवाएंगे और जो भी फैसला होगा वह छात्र हित में होगा ज्ञापन सौपने वालो में विजय दुबे, अरविन्द अहिरवार,बलराम कुशवाहा सत्यम पाठक,अभिषेक मिश्रा,रीतेश बिंदुआ,दीपेश पाठक,नीरज कुशवाहा,नीरज पाल,बबलू पाल,अरविन्द अहिरवार,बलराम कुशवाहा,सहित सैकड़ो छात्र-छात्राओ रहे उपस्थित

ब्रह्माकुमारीज़ के नव निर्मित भवन शांति शिखर का भव्य उद्घाटन आज

सिवनी– (माउण्ट आबू राजस्थान, इंदौर जोन से पधारेगें 108 बाल ब्रह्मचारी तपस्वी साधक) प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय विगत 88 वर्षौं से विश्व के 137 देशों में अपने 10000 सेवा केन्द्रों के माध्यम से आध्यात्मिक, सामाजिक एवं मूल्यनिष्ठ सेवाओं हेतु सतत् कार्यरत है। इसी कड़ी में सिवनी जिले में विगत 42 वर्षो से संस्थान की सेवाए प्रत्येक ब्लाक स्तर पर सतत रुप से दी जा रही है। उक्त उद्गार संस्थान की जिला प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी ज्योति दीदी जी ने संस्थान में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान व्यक्त किये।

दीदी जी ने आगे बताया कि संस्थान की बढ़ती हुई सेवाओं को देखते हुए 2000 लोगों के बैठने की क्षमता वाले विशाल शांति शिखर परिसर का निर्माण शासकीय महाविद्यालय भैरोगंज के आगे लोनिया रोड पर किया गया है, जिसका उद्घाटन दिनांक 16 अप्रैल दिन रविवार सुबह 9 बजे माउण्ट आबू (राजस्थान) से पधारी डॉ0 सविता दीदी जी, संयोजिका, महिला विंग एवं देव भाई जी, संयोजक आवास-निवास, माउण्ट आबू तथा इंदौर जोन की क्षेत्रीय निर्देशिका राजयोगिनी हेमा दीदी, भिलाई सेवाकेद्र की प्रभारी राजयोगिनी आशा दीदी जी के कर कमलों से संपन्न होगा। इस अवसर पर माउण्ट आबू राजस्थान, से पधारे 108 बाल ब्रह्मचारी तपस्वी साधक कार्यक्रम के विशेष रुप से उपस्थित रहेंगे।

आगे संस्थान से जुड़े वरिष्ठ भाई जी ने बताया कि 32 वर्ष पूर्व वर्तमान जिला प्रभारी ब्रह्माकुमारी ज्योति दीदी जी का आगमन सिवनी नगर में हुआ था एवं तब से संस्थान द्वारा संचालित की जा रही शिक्षाओं को सिवनी नगर में प्रारंभ किया गया। उन्होंने आगे बताया कि ज्योति दीदी जी ने सर्व प्रथम ईश्वरीय ज्ञान योग, मौन साधना को ही लोगों के सुख-शांति जीवन का मुख्य उद्देश्य बनाया। इस प्रकार दीदी जी के सतत साधना का अनुकरण करते हुए संपूर्ण जिले में सभी वर्ग के लोगों ने अपने व्यसनी जीवन को त्यागने, अनेक अंधविश्वासों से मुक्त होकर अपने जीवन को सुखमय बनाया।

देहात पुलिस ने पकड़ी अवैध शराब और स्मैक

शिवपुरी - पुलिस अधीक्षक रघुवंश सिंह भदौरिया द्वारा अवैध शराब एवं ड्रग्स के खिलाफ़ चलाये जा रहे अभियान कर तहत कार्यवाही करते हुये पुलिस थाना देहात द्वारा दो प्रकरणों मे 02 लीटर जहरीली शराब, 04 लीटर कच्ची शराब का परिवहन करते हुए एक दो आरोपियों को मय एक मोटर सायकल के जप्त किया एवं 05 ग्राम स्मैक के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार कर कार्यवाही की है ।

अति. पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार भूरिया के मार्गदर्शन मे अवैध शराब के अभियान के दौरान देहात थाना प्रभारी विकास यादव द्वारा कार्यवाही करते हुये मुखबिर की सूचना पर बीज गोदाम के पास लुधावली से एक आरोपी के कब्जे से 02 ली. जहरीली शराब कीमत करीब 1000रू की मय मोटरसाईकल क्र एमपी33 एमएच 3325 के जब्त की गई ।एक अन्य आरोपी के कब्जे से 04 लीटर हाथ भट्टी की शराब कीमत 400रू की जब्त कर आरोपियों के विरूद्द 49क आवकारी एक्ट की कार्यवाही की ।

वहीं अवैध मादक पदार्थो के विरूद्द कार्यवाही करते हुये मुखबिर की सूचना पर पुलिस थाना देहात द्वारा ए बी रोड फोरेस्ट नाका से आरोपी के कब्जे से 05ग्राम स्मैक कीमत करीब 50000रू की जब्त की गई आरोपी के विरूद्द 8/21एनडीपीएस एक्ट की कार्यवाही की गई ।

कर गुजर गए वह भीम थे , दुनिया को जगाने वाले भीम थे हमने तो सिर्फ इतिहास पढ़ा है यारों , इतिहास बनाने वाले भी भीम थे

छतरपुर । आज छतरपुर के श्री मोटे के महावीर मंदिर के प्रांगण के पास अटल सभागार में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें शहर सभी लोग सम्मलित हुए सभी ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के जयंती के अवसर पर अपने अपने विचार व्यक्त किए पुष्पेंद्र प्रताप सिंह गुड्डू भैया ने कहा कि डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी ने देश के सभी वर्ग को ध्यान में रखकर देश का संविधान बनाया है उन्होंने कहा की हमारे डॉ भीमराव अंबेडकर जी ने हमें एक ऐसी व्यवस्था होती है जिससे हम अपने अधिकार का उपयोग कर अपना जनप्रतिनिधि चुन सके जो हमारे काम करवा सके जिससे क्षेत्र का विकास हो सके और समस्या का समाधान हो सके ।

गुड्डू सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि निश्चय ही डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी ने देश के सभी वर्ग को ध्यान में रखकर संविधान बनाया जिसके कारण आज देश की व्यवस्था सुचारू रूप से चल रही है उन्होंने एक उदाहरण भी बताया कि एक परेशान महिला सुरेखा सेन विगत दो माह से परेशान थी उसकी समग्र आईडी और राशन कार्ड जबलपुर का था जिस कारण उसका लाडली बहना में पंजीयन नहीं हो पा रहा था उसका राशन कार्ड और समग्र आईडी आज उसको प्रदान की अपने मन में चल रहा है सेवा भाव के कारण यह में कर पाई उन्होंने आगे कहा

भारत सरकार और मध्य प्रदेश सरकार ने अपनी मंशा स्पष्ट कर दी है कि हमें देश का विकास और सर्व समाज का विकास करना है इसलिए सरकार लोगों के हितों में बहुत योजनाएं लागू करती है हम सबको मिलकर योजना व्यवस्थित और सुचारू रूप से चलाने में एकजुट होना चाहिए इस दौरान इस दौरान मंच पर पूर्व जिला अध्यक्ष श्री पुष्पेंद्र प्रताप सिंह ÷गुड्डू भइया÷ , पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती अर्चना गुड्डू सिंह , डी डी अहिरवार , कन्हैया अहिरवार , मनोज अहिरवार , बिट्टू अहिरवार , किशन अहिरवार , बृंदा अहिरवार , पुष्पेंद्र अहिरवार , योगेंद्र अहिरवार , छतरपुर से वार्ड 18 की पार्षद प्रेम बाई अहिरवार रामकली बरार पूजा अहिरवार मंचासीन रही साथ में मंच का संचालन विनय पटेरिया ने किया

30 प्रतिशत से कम, 53 सीएचओ की सैलरी काटी

शिवपुरी - राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए पदस्थ किए गए 245 में से 53 कम्युनिटी हेल्थ ऑफीसर की एनसीडी पोर्टल पर 30त्न से कम उपलब्धि के चलते मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.पवन जैन द्वारा मानदेय में 3 दिन की कटौती की गई है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय की मीडिया सेल ने जानकारी देते हुए बताया की स्वास्थ्य विभाग द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित उप स्वास्थ्य केंद्रों पर स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए कम्युनिटी हेल्थ ऑफीसर की पदस्थापना की गई है। इन्हें एनसीडी कार्यक्रम के अंतर्गत बीपी, ब्लड, शुगर, कैंसर जैसे रोगों की रोकथाम के लिए प्राथमिकता से काम करना होता है। सीएचओ द्वारा किए गए कार्य को एनसीडी के पोर्टल पर भी दर्ज करना होता है लेकिन शिवपुरी जिले के 53 सीएचओ की पोर्टल पर एंट्री 30त्न से भी कम है। इसे लेकर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.पवन जैन द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए यह बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए 53 सीएचओ की 3 दिन की मानदेय काटा गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.पवन जैन द्वारा बदरवास में 02 सीएचओ, करेरा में 05 सीएचओ, खनियाधाना में 15 सीएचओ, कोलारस में 05 सीएचओ, नरवर में 12 सीएचओ, पिछोर में 05 सीएचओ, पोहरी में 04 सीएचओ, सतनवाड़ा में 05 सीएचओ का 3 दिन

स्वास्थ्यवर्धक मंगलमय सुप्रभात। छाया: जगदीश कौशल।

Kalanjali-Kalotsavam-2023"-24th Annual Celebration of Kalanjali

Bhopal. Kalanjali, an organisation dedicated to thepreservation and promotion of traditional Indian classical dance is organizingits 24th Annual celebration of Kalanjali-Kalotsavam at Ravindra Bhavan, Bhopalon Saturday 15th Apr, 2023 at 6.30 pm as a curtain raiser for its SilverJubilee Celebrations. Kalanjali, under guru Shri. Pradeep Krishnan,who also is the President of the organisation has been the key person who tookthe responsibility of imparting training in Indian classical dance and music tochildren. The organisation aims to provide an opportunity for the aspiringyoung children to know about the Indian classical art form and to learn propertechniques under the guidance of the guru. Besides this, it also provides aplatform with Indian classical dance assignments so that the students getcareer training to attain more confidence.The programme shall consist of Bharat Mata Stuti, Panchamoorty Kautuvam, ChakravakaJatiswaram, Nrityati Nrityati Samba Shivam, Bharatanatya Shabdam & Thillana all in the classical dance forms besides Haryanwi & Rajasthani Gangore Folk Dances, and ClassicalMusic Concert (Vocal). The mainhighlight of the event shall be Rangarohan (first stage performance) withPushpanjali and Ganesh Kautuvam to be performed by 16 students.Kalanjalihas been performing the Kalanjali-Kalotsavam since 1998 and has over the yearbecome a much sought after and waited cultural event by lovers of classicaldance and music from the city. Besidesthis, as a part of its Silver Jubilee Celebrations, various activitiesincluding classical dance, classical songs shall be conducted through out theyear across different schools in order to promote the Indian classical artforms and identify the talents.

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने विश्व आवाज दिवस (वर्ल्ड वॉइस डे) पर सुप्रसिद्ध ईएनटी विशेषज्ञ डॉ एस. के. दुबे के साथ नीम ,पीपल और अमरुद के पौधे लगाए । श्यामला हिल्स स्थित उद्यान में मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ सर्व श्री प्रवीण प्रेमचंदानी, सौरभ अग्रवाल, चेतन पटेल तथा बालिका सृष्टि दुबे ने अपने जन्म दिवस पर पौधे रोपे । इनके परिजन भी पौध रोपण में सम्मिलित हुए।

स्वर्ण चंपा लगाइए और खुशबू का आनंद लीजिए, रविवार की शुभ कामनाएं। राजेंद्र कोठारी।

442 वाँ श्रमदान बर्तन बैंक रख रखाव

निगम आयुक्त केवीएस चौधरी ने कल खेल मैदान का औचक निरीक्षण किया व आ रही समस्याओं का सहज निराकरण किया। मंदिरों में नो पॉलीथिन व नो पीओपी मूर्ति के लिए आव्हान किया गया। महिला समूहों को जुटे बैग देकर पॉलीथिन का प्रयोग न करने की अपील की गई। 500 बर्तनों के सेट के लिए सामाजिक भोज आयोजन के लिए मिल्खा सिंह खेल मैदान संपर्क करें जीतू +91 73549 24828।

सैर सपाटा स्थित होटल सयाजी में दो दिवसीय सूत्रा एग्जीबिशन की हुई शुरुआत

भोपाल। गर्मियों की शुरुआत हो ही चुकी है और इस गर्मी में कम्फर्ट के लिए सबसे जरूरी है आरामदायक कपड़े। लेकिन यही कम्फर्ट आपका स्टाइल स्टेटमेंट बन जाए तो क्या कहने। ऐसा ही कम्फर्ट प्लस स्टाइल का यूनिक कलेक्शन लेकर आया है सूत्रा एग्जीबिशन। समर सीजन के लिए ट्रेंडिंग आउटफिट का लेटेस्ट डिजाइनर कलेक्शन 35 अलग-अलग स्टॉल्स में प्रदर्शित किया गया है। यह देश की सबसे लोकप्रिय और पसंद की जानी वाली एग्जीबिशन में से एक है। इसमें देश के फेमस डिजाइनर अपने बेहतरीन कलेक्शन को शोकेश किया गया है। यह एग्जीबिशन सुबह 10 से रात 8 बजे तक ओपन रहेगी।

ऑफिस वियर से लेकर पार्टी वियर की ट्रेंडिंग रेंज

दिल्ली, जयपुर और इंदौर से आए आर्टिज़न लिनेन, कॉटन के को-ओर्डस, शॉर्ट कुर्ता सेट्स की रेंज लेकर आए हैं। यहां ऑफिस वियर से लेकर पार्टी वियर की वैराइटीज उपलब्ध है। एग्जीबिशन में लेटेस्ट समर कलेक्शन के डिजाइनर आउटफिट्स देखने को मिलेंगे। साथ ही कूल डिजाइनर आउटफिट, फैशन जूलरी, डिजाइनर पार्टी वियर के साथ होमडेकोर आइटम्स, डेकोरेटिव्स और फर्निशिंग कॉन्सेप्ट के अलावा ट्रेंडी आर्ट से जुड़े स्टॉल्स भी शामिल हैं।

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़त, 584.75 अरब डॉलर पर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश का विदेशी मुद्रा भंडार सात अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 6.306 अरब डॉलर बढ़कर 584.755 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इस वृद्धि के साथ पिछले दो सप्ताह से जारी गिरावट पर विराम लग गया है। इससे पिछले सप्ताह, देश का विदेशी मुद्रा भंडार 32.9 करोड़ डॉलर घटकर 578.45 अरब डॉलर रहा था। उल्लेखनीय है कि अक्तूबर 2021 में देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। वैश्विक घटनाक्रमों के बीच केंद्रीय बैंक के रुपये की विनियम दर में तेज गिरावट को रोकने के लिए मुद्रा भंडार का उपयोग करने की वजह से बाद में इसमें गिरावट आई थी।रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, सात अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा, विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 4.74 अरब डॉलर बढ़कर 514.431 अरब डॉलर हो गया। डॉलर के संदर्भ में अभिव्यक्त किए जाने वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे यूरो, पाउंड और येन जैसे गैर-अमेरिकी मुद्राओं में आई कमी और बढ़त के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है।

महंगाई या गरीबी! देश में तेजी से घटती जा रही एंट्री-लेवल कारों और बाइक की बिक्री

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में महंगी गाड़ियों की बिक्री तो काफी बढ़ रही है। लेकिन एंट्री लेवल कारों और बाइक्स की सेल घट रही है। इसके कई कारण है। गाड़ियां नियामकीय और उत्सर्जन से जुड़ी आवश्यकताओं को पूरा करने के चलते महंगी होती जा रही हैं। दूसरी तरफ मध्यम वर्ग महंगाई की मार के चलते उतने पैसे खर्च नहीं कर पा रहा है। मिनी कारों या 3,600 एमएम से नीचे की कारों की बिक्री 7 साल पहले के अपने पीक ईयर्स की तुलना में 57 प्रतिशत डाउन है। वहीं, एंट्री लेवल मोटरसाइकिल की बिक्री साल 2017-18 के पिछले पीक से 38 फीसदी डाउन है। इसके अलावा स्कूटर्स की बिक्री 27 फीसदी डाउन है। इंडस्ट्री बॉडी सियाम के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। यहां तक कि मोपेड की बिक्री में भी पिछले 5 वर्षों में 50 फीसदी की गिरावट देखी गई है। यह दिखाता है कि एंट्री लेवल के वाहनों को ग्राहक नहीं मिल रहे हैं। जबकि लग्जरी और प्रीमियम कारों सहित महंगी मोटरसाइकिलों व स्कूटर्स की सेल्स अच्छी ग्रोथ कर रही है। पिछले कुछ वर्षों से यह ट्रेंड मजबूत हुआ है। इससे ऑटो इंडस्ट्री के एक वर्ग के बीच डर पैदा हो गया है। एक इंडस्ट्री के अधिकारी ने बताया कि एक आम आदमी वास्तव में गाड़ी खरीदने में सक्षम नहीं है। सियाम के आंकड़ों के अनुसार, मिनी कारों की बिक्री में मारुति ऑल्टो, मारुति एस-प्रेसो और रेनॉल्ट क्विड हावी रहती हैं। इनकी सेल्स 2016-17 के आखिर में 5.8 लाख यूनिट थी, जो अब घटकर 2.5 लाख यूनिट रह गई है। कंपनियां चिंतित हैं और कहती हैं कि इस ट्रेंड को ठीक करने की जरूरत है।

मारुति सुजुकी के डायरेक्टर (सेल्स और मार्केटिंग) शशांक श्रीवास्तव ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में एंट्री लेवल पर कारों की कीमत में 25 फीसदी का इजाफा हुआ है। जबकि संभावित खरीदारों की आय के स्तर में बढ़ोतरी नहीं हुई है।

ओगी के जीवन की प्यारी परेशानी, पिया लेकर आ रही है ओगी की दुनिया में नई उथल-पुथल

मुंबई , एजेंसी। गर्मियों में पार्टी करना तो बनता है !अब आप किसका इंतज़ार कर रहे हैं?अपने पार्टी शूज पहनो और इस साल की सबसे बड़ी धमाकेदार पार्टी जो सोनी ये ! पर होने वाली है, उसमें मज़े लेने के लिए जल्दी से तैयार हो जाईये।इन गर्मियों में हम सब मिलकर अपने सबसे पसंदीदा टून ऑगी के साथ पार्टी में खूब मजे करेंगे। क्योंकि वह आपको चुलबुले और दिल को छू लेने वाले एडवेंचर्स से भरी अपनी एक अलग दुनिया में ले जाने के लिए तैयार है।आपने पालतू कुत्ते और बिल्लियोंकोअपनेपसंदीदा जूते चबाते तोसुनाहोगा,लेकिन क्या आपने कभी यह सोचा है कि अगर एक प्यारा सा हाथी का बच्चा आपके होमवर्क या पसंदीदा ड्राइंग को खराब कर दे,तब आप क्या करेंगें?आप मानें या न मानें,हर बार जब चुलबुली पिया ऑगी से मिलने आती है, तो कुछ ऐसी शरारतें करती है जिससे ऑगी बेचारा तंग हो जाता है।

इंडियाज़ बेस्ट डांसर सीज़न 3 में कंटेस्टेंट शुभम रेवांकर की अनोखी परफॉर्मेंस पर फिदा हो गईं जज गीता कपूर

मुंबई , एजेंसी। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के देसी डांस रियलिटी शो इंडियाज़ बेस्ट डांसर सीज़न 3 ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया है, जहां 8 अप्रैल को इस शो के ऑडिशन राउंड का प्रीमियर हुआ। आने वाले वीकेंड में, शानदार डांस टैलेंट कुछ असाधारण परफॉर्मेंस से सभी को हैरान कर देंगे। बेस्ट में से बेस्ट को चुनने की जिम्मेदारी के साथ जज सोनाली बेंद्रे, गीता कपूर और टेरेंस लुइस, ई.ई.एन.टी. स्पेशलिस्ट्स के रूप में कंटेस्टेंट्स का आकलन करेंगे। इस मौके पर महाराष्ट्र के शुभम रेवांकर का सुन री सखी गाने का सुंदर अनुवाद जज गीता कपूर के दिल में हलचल पैदा कर देगा। इस शानदार परफॉर्मेंस के ठीक बाद, जज गीता कपूर कहेंगी, मैं चाहती हूं कि कोई मुझे इस तरह से प्यार करे ! कुछ परफॉर्मेंस ऐसी होती हैं, जिन्हें देखकर आपको सुकून मिलता है। यह एक सुकून वाला एक्ट था, मुझे इसे देखना बहुत अच्छा लगा ... आप मुझे एक सफर पर ले गए। जब डांसर्स मंच पर आते हैं, तो मुझे बहुत खुशी होती है और मैं उनके सफर का हिस्सा बन जाती हूं। यह एक खूबसूरत एहसास था, जिसमें मुझे ऐसा लगा जैसे मैं किसी बाग में हूं।

जजों को सरप्राइज़ देते हुए हुए शुभम ने बताया कि उन्होंने डांस खुद से ही सीखा है और इस परफॉर्मेंस में उनकी अपनी कोरियोग्राफी थी। ये टैलेंटेड डांसर यह खुलासा भी करेंगे कि उन्होंने अपने पिता की वजह से पहले भी रियलिटी शोज़ और प्रतियोगिताओं में परफॉर्म किया है, जो उनके सबसे बड़े सपोर्टर थे। इस बारे में बात करते हुए शुभम कहते हैं, मम्मी कहती थीं पहले पढ़ाई करो और बाद में डांस करो, और डैड कहते थे पहले पैशन और फिर पढ़ाई। जब उनसे पूछा गया कि उनके पिता कहां हैं, तब सारे जज ये सुनकर सदमे में आ गए कि डेढ़ साल शुभम ने अपने पिता को खो दिया था।

एलेन ने पीजी मेडिकल अभ्यर्थियों के लिए सुपर एप्प लॉन्च किया

नीट पीजी, आईएनआई-सीईटी, और एफएमजीई उत्तीर्ण करने के इच्छुक छात्र होंगे एलेन नेक्स्ट ऐप से लाभान्वित

नई दिल्ली, एजेंसी। पूरे भारत में मेडिकल कोचिंग में अग्रणी, एलेन ने पीजी मेडिकल छात्रों को एनईईटी-पीजी, आईएनआई-सीईटी और एफएमजीई परीक्षाओं की तैयारी के लिए व्यापक समाधान प्रदान करने हेतु डिज़ाइन किया गया अत्याधुनिक प्लेटफॉर्म एलेन नेक्सटी ऐप लॉन्च किया। इस ऐप पर कई अनूठी विशेषताएं और संसाधन उपलब्ध हैं, जो इसे परीक्षा की तैयारी हेतु बाजार में उपलब्ध अन्य प्लेटफार्मों से अलग करते हैं।एलेन नेक्स्ट वर्टिकल के पूर्णकालिक कार्यकारी, अमन माहेश्वरी ने कहा, एलेन नेक्स्ट ऐप के साथ हमारा लक्ष्य मेडिकल पीजी प्रवेश परीक्षा की तैयारी प्रक्रिया को छात्रों के लिए सरल और अधिक सुलभ बनाना है, चाहे उनकी व्यस्तता कितनी भी हो। हमारा उद्देश्य एनईईटी-पीजी, आईएनआई-सीईटी और एफएमजीई परीक्षाओं को उत्तीर्ण करने के लिए पूरा रोडमैप प्रदान करके पीजी मेडिकल छात्रों को उनके शैक्षणिक और व्यावसायिक लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाना है।इसमें कोई अतिश्योक्ति नहीं कि पीजी मेडिकल छात्र का जीवन चुनौतीपूर्ण होता है। परीक्षा की तैयारी के चुनौतीपूर्ण कार्य का व्यस्त इंटर्नशिप शेड्यूल के साथ संतुलन बिठाना भारी पड़ सकता है। हालांकि, एलेन नेक्स्ट ऐप और इसके व्यापक पाठ्यक्रम पैकेज अल्फा, बीटा और डेल्टा के लॉन्च के साथ, जिस तरह से मेडिकल

पीजी के छात्र अपनी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, वह बेहतर बदलाव लाने वाला है।तीन व्यापक पाठ्यक्रम पैकेज - अल्फा, बीटा और डेल्टा - छात्रों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करते हुए यह सुनिश्चित करते हैं कि उनकी तैयारी के लिए सर्वोत्तम संसाधन उनके लिए उपलब्ध हों।अल्फा कोर्स- यह पैकेज मिश्रित रूप से ऑफलाइन क्लासरूम लर्निंग और रिवीजन उपलब्ध कराता है। इसमें 700+ घंटे के वीडियो, अच्छी रैंक हासिल करने के लिए एक्स्ट्रा एज वीडियो, नेक्स्ट स्टेज-2 के लिए क्लिनिकल स्किल वीडियो, 200+ घंटे के रैपिड रिवीजन वीडियो, पिछले वर्ष के प्रश्नों के साथ 10,000+ क्वेश्चन बैंक, रेस और क्लिनिकल प्रश्न सहित 200+ विषयवार छोटे और बड़े टेस्ट, डिजिटल और मुद्रित नोट्स शामिल हैं।

मेबेलीन न्यूयार्क ने भारत में जैन ज़ी उपभोक्ताओं के साथ रिश्ता मजबूत किया

- **नए ब्रांड एम्बेसडर्स - सुहाना खान, अनन्या बिरला और एक्षा सुब्बा के साथ गठबंधन किया**

मुंबई , एजेंसी। मेबेलीन न्यूयार्क ने भारत के लिए तीन नए ब्रांड एम्बेसडर्स को नियुक्त किया है। यह ब्रांड सुहाना खान, अनन्या बिरला और एक्षा सुब्बा को साथ लेकर आया है और खिलाड़ी पीवी सिंधू के साथ ब्रांड के मौजूदा सहयोग को आगे बढ़ाया है।

इस अभियान के लॉन्च के साथ दुनिया के इस नं. 1 मेक-अप ब्रांड ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि यह सौंदर्य और युवाओं के साथ अपने रिश्ते में अग्रणी है। अपने नए ब्रांड एम्बेसडर्स के साथ मेबेलीन इन इंडिया ब्रांड की युवा ऊर्जा, एज़, स्टाईल और न्यूयार्क की गलियों के लेटेस्ट ट्रेंड्स का प्रदर्शन करेगा। कंपनी को विश्वास है कि इन नए ब्रांड एम्बेसडर्स द्वारा भारत में जैन ज़ी उपभोक्ताओं के साथ रिश्ता मजबूत करने में मदद मिलेगी।

सुहाना खान ने एनवाईयू से थिएटर की पढ़ाई की है। वह

छोटी उम्र से ही अभिनेत्री बनना चाहती थीं। इस साल पर्दे पर उतरने के लिए तैयार सुहाना का स्टाईल और आत्मविश्वास देश के युवाओं से मेल खाता है। दो बार ओलिम्पिक जीत चुकी और बैडमिंटन चैंपियन, पीवी सिंधू भारत में लाखों युवा लड़कियों की प्रेरणा हैं। अनन्या बिरला कई भूमिकाएं संभालती हैं। वो प्लेटिनम-सैलिंग गायिका और बिज़नेसवूमैन होने के साथ मानसिक स्वास्थ्य की दृढ़ समर्थक भी हैं। एक्षा सुब्बा एक सुपरमॉडल-बॉक्सर-बाईकर और पुलिस अधिकारी हैं। मेबेलीन न्यूयार्क की एम्बेसडर्स की यह नई सेना ब्रांड की भावना और मूल्यों का प्रतिरूप है, और उनके अद्वितीय व्यक्तित्व उन्हें ब्रांड के आदर्श प्रवक्ता बनाते हैं।

नए ब्रांड एम्बेसडर्स के बारे में ज़ीनिया बस्तानी, ब्रांड जनरल मैनेजर - मेबेलीन न्यूयार्क, लॉरिआल इंडिया ने कहा, ''हम मेबेलीन न्यूयार्क में पीवी सिंधू के साथ सुहाना खान, अनन्या बिरला, और एक्षा सुब्बा का स्वागत करते हैं! हम हर किसी को आत्मविश्वास के साथ अपने तरीके से अपनी खूबसूरती की अभिव्यक्ति करने में मदद करना चाहते हैं। ये चार प्रतिभाशाली महिलाएं हमारे ब्रांड की भावना और हमारे उद्देश्य का प्रतिरूप हैं। वो मेबेलीन न्यूयार्क महिलाओं का प्रतिनिधित्व करती हैं, जो महत्वाकांक्षी, अपनी अभिव्यक्ति में आत्मविश्वास रखने वाली, विविधतापूर्ण और परिवर्तन लाने के लिए तैयार हैं!''

जेआरएफ परीक्षा में सफल हुए रविन्द्र यादव

छिंदवाड़ा । राजनीति विभाग शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिंदवाड़ा के लिए बड़े गौरव की बात है कि सत्र 2022-23 में एम. ए. राजनीतिक अध्ययन में किये छात्र रविन्द्र यादव ने नेशल टेस्टिंग एजेंसी (एन.टी.ए) द्वारा आयोजित यूजीसीनेट एवं जेआरएफ 2022-23 की परीक्षा उत्तीर्ण की हैं। इस से पहले भी श्री यादव ने सत्र 2017-1 8 यूजीसी नेट परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके हैं। यह तीसरी सफलता हैं श्री यादव के लिये। श्री यादव ने अपने जीवन की इस विशिष्ट उपलब्धि के लिए राजनीति विभाग अध्यक्ष राजेन्द्र मिश्रा एवं अर्चना मैथ्यू, डॉ निधि चाण्डक एवं स्टाप के मार्गदर्शन में यूजीसी नेट एवं जेआरएफ की परीक्षा उत्तीर्ण की हैं। श्री यादव की इस अभूतपूर्व सफलता के लिए तथा महाविद्यालय का नाम रोशन करने के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.पीआर चन्देलकर महाविद्यालय परिवार एवं पापा ब्रजलाल यादव, माता श्रीमती कपसी यादव, गोविंद मरकाम, पराग साहू, प्रो चंद्रशेखर उसरेठे, प्रो पूनम उसरेठे, शिवसिंग डेहरिया ने शुभकामनाएं दी।

नुन्हारिया मेहरा समाज एवं भीम सेना के संयुक्त तत्वाधान में मनाई बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जयंती

छिन्दवाड़ा । नुन्हारिया मेहरा समाज छिन्दवाड़ा के द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार भारत रत्न संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जी की 132वी जयंती सृष्टि माता मंदिर नुन्हारिया मेहरा सामाजिक प्रांगण में धूमधाम से मनाई गई। नुन्हारिया मेहरा समाज के वरिष्ठ कार्यकता एव युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुमित भावरकर एवं युवा प्रकोष्ठ साथियों द्वारा बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जी छायाचित्र पर मालार्पण, पुष्पाजंलि अर्पित करते हुए जय भीम के नारों से सामाजिक प्रांगण गुज उठा। तत्पश्चात समता बौद्ध से समस्त सामाजिक संगठनों के माध्यम से बाबा साहेब के अनुयायियों द्वारा आयोजित रैली का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया एवं जलपान की व्यवस्था की गई, नुन्हारिया मेहरा समाज के पदाधिकारी एवं भीमसेना के समस्त कार्यकताओं ने बड़ी संख्या में रैली में सम्मिलित होकर बाबा साहेब के नाम की उद्घोषणा करते हुए नगर भ्रमण किया। नुन्हारिया मेहरा समाज युवा कार्यकर्ता श्याम कुमार कोलारे ने बताया कि कार्यक्रम में प्रांतीय उपाध्यक्ष सन्तोष वस्त्राणे, सचिव संजय मेहरा, कोषाध्यक्ष महेंद्र खातरकर, सहससिव सन्तोष मस्तकार, पूर्व सचिव राधेलाल भावरकर, लीला बर्वे, ममता, सोनाली सहित अनेक भीम सैनिक उपस्थित रहे।

एक्सप्रेस ट्रेनों को पांढुरना रेल्वे स्टेशन होकर पूर्वानुसार पुनः चलाने की मांग

रेल्वे सम्बन्धीय तीन सूत्रीय मांग,

पांढुना । नागपुर भुसावल व्हाया इटारसी दादा धाम एक्सप्रेस एवं नागपुर रीवा एक्सप्रेस ट्रेनों को पांढुरना रेल्वे स्टेशन होकर पूर्वानुसार पुनः चलाने, नागपुर मध्य रेल्वे के माध्यम से चल रही एक्सप्रेस ट्रेनों का पांढुरना स्टेशन पर पूर्वानुसार पुनः शुरू कराने, पांढुरना अमरावती स्टेट हाइवे मार्ग स्थित रेल्वे क्रासिंग पर ओवर ब्रिज निर्माण कराने को लेकर अनिश्चित कालीन क्रमिक भुख-हड़ताल निरंतर जारी रखी गयी है, शनीवार को क्रमिक भूख हड़ताल का लगातार पंद्रवा दिन है,जिसमे भूख हड़ताल की शुरुवात राष्ट्रगान से शुरू की गई, क्रमिक भूख हड़ताल में नगर पालिका अध्यक्ष संदीप घाटोडे, दुर्गेष उईके, क्रमीक भूख हड़ताल पर बैठें है।नगर के विकास हेतु यह तीन मांगे पूर्ण होना अत्यंत आवश्यक है,आप सभी नगर हित के मुद्दों को सफल बनाने हेतु आप सभी नगर वासियों का सहयोग प्रार्थनीय है।

मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना की महिला हितग्राहियों को जागरूक

छिन्दवाड़ा । कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के मार्गदर्शन में अटलबिहारी वाजपेयी नीति विश्लेषण एवं सुशासन संस्थान के माध्यम से जिले में कार्यरत मुख्यमंत्री जन सेवा मित्र शासन की विभिन्न योजनाओं में हितग्राहियों को जानकारी देने के साथ ही उनका उत्साहवर्धन कर रहे हैं । इसी तारतम्य में गत दिनों जनपद पंचायत चौरई की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री नीलम रैकवार और सीएम फैलो गौरव जैन के नेतृत्व में जिले के विकासखंड चौरई की ग्राम पंचायत बांकानागनपुर में मुख्यमंत्री जन सेवा मित्रों द्वारा डॉ.भीमराव अंबेडकर जयंती पर आयोजित विशेष ग्राम सभा में सहभागिता करने के साथ ही मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के अंतर्गत महिला हितग्राहियों को जागरूक किया गया । सीएम फैलो श्री जैन ने बताया कि ग्राम पंचायत बांकानागनपुर में डॉ.भीमराव अंबेडकर जयंती पर आयोजित विशेष ग्राम सभा में सहभागिता कर मुख्यमंत्री जन सेवा मित्रों द्वारा डॉ.अंबेडकर की फोटो पर माल्यार्पण व पूजन कराया गया। विशेष ग्राम सभा के दौरान सरपंच योगेश चंद्रवंशी, सचिव शिवराम उईके, गजानंद सोनी, अनिल विश्वकर्मा व देवेश सोलंकी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका और बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलायें उपस्थित थीं। इसी प्रकार मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के अंतर्गत मुख्यमंत्री जन सेवा मित्रों द्वारा महिला हितग्राहियों की के-वायसी की गई और हितग्राही महिलाओं के उत्साहवर्धन के लिये उन्हें गुलदस्ता भी भेंट किये गये। उन्होंने बताया कि विकासखंड चौरई में मुख्यमंत्री जन सेवा मित्र युवराज सोनी, नवीन रघुवंशी, यश सोनी, अभिषेक दुबे, मनीष डेहरिया व आशीष वर्मा द्वारा महिला हितग्राहियों की जागरूकता के लिये नवाचार भी किये जा रहे हैं।

स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 की कवायद हुई तेज

गुरैया रोड के अतिक्रमण को हटाने के दिए निर्देश

स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारी का कलेक्टर, कमिश्नर ने किया निरीक्षण

छिंदवाड़ा । स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 एवं जीएफसी 5 स्टार रेटिंग की तैयारी एवं शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर नगर पालिक निगम के साथ ही जिला प्रशासन भी विशेष प्रयास कर रहे है। इन्ही तैयारियो का जायजा लेने शनिवार सुबह जिला कलेक्टर शीतला पटले निगमायुक्त राहुल सिंह में साथ पहुंचीं। इस दौरान कलेक्टर ने आवासीय क्षेत्रो के साथ व्यवसायिक क्षेत्रों में भी तैयारियो का निरीक्षण किया। कलेक्टर शहर के गुलाबरा, वीआईपी रोड, श्रीराम मंदिर, छोटा बाजार, मेन रोड , छोटा तालाब एरकॉन्स सिटी सहित विभिन्न स्थानों पर पहुंचीं जहां उन्होंने नागरिकों से स्वच्छता के संबंध में चर्चा की। कम्युनिटी होम कंपोस्टिंग, डोर टू डोर कचरा कलेक्शन एवं सफाई की जानकारी प्राप्त की। एरकॉन्स सिटी के प्रेसिडेंट से चर्चा करते हुए इसे ऋद्धि के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए एवं इसे आदर्श मॉडल को शहर के अन्य वार्ड में रेप्लीकेट करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही महिला सफाई कर्मचारियों से भी कलेक्टर शीतला पटले मिलीं। इसके पश्चात कलेक्टर एवं निगमायुक्त गुरैया सब्जी मंडी पहुंचे जहां कलेक्टर ने मंडी के भीतर को सफाई पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए मंडी निरीक्षक एवं मंडी अधिकारियों को स्वच्छता रखने के कड़े निर्देश दिए। कलेक्टर शीतला पटले ने गुरैया रोड के निर्माण कार्य को देख कर सड़क के चौड़ीकरण में आने वाली समस्याओं की जानकारी ली एवं इस सड़क के अतिक्रमण हटाए जाने के निर्देश भी दिए। इस दौरान कलेक्टर शीतला पटले के साथ निगमायुक्त राहुल सिंह, कार्यपालन यंत्री ईश्वर सिंह चंदेली सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नाटक के माध्यम से सावित्री बाई फुले के विचारों को किया प्रदर्शित

छिंदवाड़ा । महात्मा फुले समाजिक शिक्षण समिति द्वारा आयोजित महात्मा फुले जंयती के अवसर पर पटेल कालोनी मे मी सावित्री बाई फुले बोलतो नाटक का आयोजन हुआ जिसमे टी वी कलाकार अपुर्वा सोनार ने सावित्री बाई फुले के जीवन मे आये उतार चढाव का मार्मिकता का प्रस्तुतीकरण किया मुख्य अतिथि के रूप मे बलकरण पटेल जी पुर्व?अध्यक्ष पिछडा वर्ग आयोग अतिथि मनोज सोनी सोनी कम्पयुटर सेंटर सौ अपुर्वा सोनार जी टी वी कलाकार विजय घाटोड अध्यक्ष सतीश दोडके, संयोजक राजेश दोडके, उपाध्यक्ष नामदेव सरोदे प्रमोद भगत,ी महादेव सातपुते थे सर्वप्रम दीप प्रज्वलित कर फुले के फोटो पर माल्यार्पण किया गया हे समिति के संयोजक राजेश दोडके द्वारा द्वारा समिति की उपल्बधियो को बताया गया तथा महात्मा फुले के जीवन पर प्रकाश डाला गया ; अपुर्वा सोनार द्वारा सावित्री बाई की भुमिका मे जो अभिनय किया गया वो हुबहु सावित्री नजर आ रही थे ये इनका 600 वा प्रोग्राम था ज्योतिबाफुले व सावित्री बाई के जीवन में शिक्षा के अभियान मे आये गये उतार चढाव का सम्पूर्ण मार्मिक चित्रण किया गया मनोज सोनी द्वारा कम्युटर शिक्षा का जीवन मे क्या महत्व हे ओर आधुनिक युग मे वो क्यो जरुरी हे ये बताया गया उन्होने समाज के बच्चो को निशुल्क कम्प्युटर ट्रेनिंग व समाज की महिलाओ को भी ट्रेनिंग दी जायेगी ये घोषणा की विजय घाटोड द्वारा गंगु बाई बोलते का हास्य नाटक किया गया इस अवसर पर आजीवन सदस्यो व समिति के उत्थान हेतु सहयोग किया उनका सम्मान किया गया अपुर्वा सोनार को सुनीता दोडके राजेश दोडके द्वारा शाल श्रीफल स्मृति चिह्न देकर सम्मान किया गया समिति के अध्यक्ष सतीश दोडके शांतिनाथ स्कुल प्राचार्य राजेश दोडके नामदेव सरोदे द्वारा शाल श्रीफल स्मृति चिह्न देकर सम्मान किया गया विगत 10बर्षो से समाज मे बहुमुल्य समय देने के लिये राजेश दोडके, सतीश दोडके नामदेव सरोदे, राजेश दोडके, कोलाढाना जित्तू सेमेकार, अखिलेश चरपे, सहादेव बन्राईत को शाल श्रीफल स्मृति चिह्न से सम्मानित किया इस अवसर पर मारोती चरपे, पसराम बाडबुदे, बाबूराव धादोडे ,प्रमोद भगत, देवानन्द निकाजु अशोक अबंडकर, राजेश भगत, मंच संचालन राजेश दोडके

श्रीमद भागवत महापुराण एवं कलश यात्रा में शामिल हुए पूर्व विधायक पं रमेश दुबे

चौरई । समर्थ सदगुरु परिवार एवं सत्य स्नेह फाउंडेशन द्वारा ग्राम लोनीबर्रा श्रीराम जानकी मंदिर में आयोजित श्रीमद भागवत कथा महापुराण एवं कलश यात्रा में पूर्व विधायक पं रमेश दुबे शामिल हुए। कार्यक्रम संयोजक समाजसेवी पं सतीश मिश्रा, डा हितेश मिश्रासहित अन्य सहयोगियों के साथ व्यासपीठ का पूजन कर कथावाचक पं रविकांत शास्त्रीसे आशीर्वाद प्राप्त किया। पूर्व विधायक श्री दुबे, डा मिश्रा व कथावाचक पं रविकांत शास्त्री व धर्मप्रेमी बंधुओ के साथ चौरई नगर के माता मंदिर , बंजारी माता मंदिर, एवं श्री जोड़ा हनुमान मंदिर में पूजन अर्चन कर ध्वज चढ़ाया गया । कथावाचक रविकांत शास्त्री जी ने कहा कि भक्ति ज्ञान और वैराग्य को अपना कर मानव जीवन को सफल बना सकता है। कार्यक्रम में अजजा मोर्चा जिलाध्यक्ष वीरपाल इनवाती, नप अध्यक्ष दानसिंह ठाकुर, जंप अध्यक्ष सरोज राधेश्याम रघुवंशी, बिस्सु पटेल, वीरेंद्र पटेल, सुरेश शर्मा, रेखन पटेल, अनिल पटेल, सारंग पटेल, दीपक दुबे, अमित सोनी, नीलू निर्मलकर, रामनरेश रघुवंशी, गुड्डू पटेल, प्रदीप रघुवंशी, उमेश दुबे, गुड्डू शर्मा, गोलू तिवारी, मुकेश चौरसिया, दीपक रघुवंशी, गोलू पटेल, पंकज साहू, रमन पटेल समेत धर्मप्रेमी बंधु व मातृशक्ति उपस्थित रहे ।

पुरानी पेंशन बहाली के लिए आज होगा जिला स्तरीय प्रदर्शन

3 बजे निकलेगी विशाल रैली 4 बजे जिला प्रशासन को सौंपा जाएगा ज्ञापन

छिंदवाड़ा । मध्य प्रदेश अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा ,(जिसमें सभी जिले के 63 कर्मचारी संगठन शामिल है,)एवं नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम मध्य प्रदेश के संयुक्त आह्वान पर आज दोपहर 12 से 5 तक धरना एवं पेंशन संवैधानिक रैली निकालकर जिला कलेक्टर के नाम से महामहिम राज्यपाल महोदय एवं मुख्यमंत्री को नियुक्ति दिनांक से पुरानी पेंशन बहाली के लिए ज्ञापन सौंपा जाएगा । में मध्यप्रदेश अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के जिला अध्यक्ष सतीश गोंडाने नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम मध्यप्रदेश के जिला अध्यक्ष विनोद डेहरिया जिला प्रभारी अरविंद भट्ट समन्वयक ताराचंद भलावी उपाध्यक्ष रामाजी पार्टी कोर कमेटी के सदस्य सर्व श्री सत्यभान पटेल संतोष डोंगरे सुशील डोईजड सुखदेव जी के कालका प्रसाद राज कमलेश चौराहे, पहलाद मालवीय एवं राजकुमार कवरेती द्वारा बताया गया है कि पुरानी पेंशन बहाली के लिए पूरे भारतवर्ष में कल 16 तारीख को श्री विजय कुमार बंधु राष्ट्रीय अध्यक्ष एम पी ओ पी एस के निर्देशन में सभी जिला मुख्यालयों में विशाल रैली निकालकर पुरानी पेंशन बहाली के लिए ज्ञापन सौंपा जाएगा। 16 अप्रैल को आयोजित एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत जिला मुख्यालय पर प्रातः 12 से 2 तक मंची कार्यक्रम एवं दोपहर 3 बजे से विशाल रैली जिला कलेक्ट्रेट प्रांगण से निकाली जाकर बाबा साहब की प्रतिमा जहां बाबा साहब को माल्यार्पण उपरांत, रैली बस स्टैंड फव्वारा चौक होते हुए कलेक्ट्रेट में प्रवेश करेगी ,जहां सामूहिक रूप से जिला प्रशासन को महामहिम राज्यपाल एवं माननीय मुख्यमंत्री जी के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा जाएगा। संयुक्त मोर्चा के जिला अध्यक्ष सतीश गोंडाने, नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम के जिलाध्यक्ष विनोद डेहरिया एवं पूरी एनपीअओपीएस टीम के सदस्यों द्वारा, समस्त संगठन के अध्यक्ष पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों से निवेदन किया गया है।

निर्माणाधीन भवन गिराने पूरे बल के साथ पहुंचा रेल्वे विभाग का अमला

निर्माणाधीन भवन के गिराए 4 पिल्लर

परासिया । परासिया नगर के वार्ड क्रमांक 8 में एक निर्माणाधीन मकान को घर गिराने के लिए रेल विभाग का अमला पूरे बल के साथ पहुंचा और यहां निर्माणाधीन भवन के 4 पिल्लरों को गिराया गया । विभाग ने अपनी भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की। जिसमें उसने स्थानीय प्रशासन का भी सहयोग लिया। शनिवार को छिंदवाड़ा से रेल्वे एडीएन आरके सिन्हा के नेतृत्व में अधिकारी व रेल्वे पुलिस बल भारी मात्रा में परासिया पहुंचा। जहां उसने एसडीएम मनोज कुमार प्रजापति व एसडीओपी अनिल शुक्ल से मिलकर अतिक्रमण हटाने सहयोग मांगते हुए मौके पर पहुंचें। श्री सिन्हा ने बताया कि स्थानीय लोगों के द्वारा रेलवे को शिकायत की गई थी कि परासिया निवासी व्यवसायी भगवान खंडेलवाल द्वारा अपनी दुकान के पीछे रेलवे की भूमि पर अतिक्रमण कर पक्का निर्माण किया जा रहा हैं। जिसके बाद रेलवे की टीम ने मौके पर पहुंचकर मौका मुआयना कर श्री खंडेलवाल से जमीन संबंधी दस्तावेज मांगे लेकिन उनके द्वारा कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए। जबकि उन्हें 1 अप्रैल को नोटिस दिया गया था। जिसके बाद जेसीबी मशीन से भवन को ध्वस्त करने की कार्यवाही प्रारंभ की गई। जो दिन भर चलती रही। इस दौरान मौके पर भारी पुलिस पर तैनात रहा।

खराब ट्रान्सफार्मरों को सुधार कर लगाये जावे

प्रयोगशाला में सुधार उपरांत विद्युत ट्रांसफार्मरों का होगा परीक्षण

छिन्दवाड़ा । प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के प्रयासों से जिले को एक और बड़ी सौगात प्राप्त हुई है। पूर्व सीएम कमलनाथ के प्रयत्नों से अत्याधुनिक प्रयोग शाला की स्थापना होगी जिसमें विद्युत उपकरणों का आसानी से परीक्षण किया जा सकेगा। मप्र में सात ऐसी प्रयोगशालायें तैयार की जायेगी जिनमें से एक छिन्दवाड़ा जिले में भी स्थापित की जावेगी। विद्युत उपकरणों एवं ट्रांसफार्मरों को सुधारने के उपरांत उनकी जांच प्रयोगशाला में होगी और यहां से उनकी गुणवत्ता तय की जावेगी, इससे आगामी समय में उपभोक्ताओं को अबाध्य तरीके से बिजली आपूर्ति की संभावनायें बढ़ जायेंगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने अपने अर्द्ध शासकीय पत्र के माध्यम से प्रमुख सचिव ऊर्जा को अवगत कराया कि छिन्दवाड़ा जिले में अत्याधिक पुराने विद्युत ट्रांसफार्मरों के खराब होने व बिजली कटौती की शिकायतें निरंतर प्राप्त हो रही है। खराब ट्रांसफार्मरों के कारण बिजली की आपूर्ति नियमित नहीं हो रही। सुचारू बिजली सप्लाई के अभाव में क्षेत्र के अन्नदाता खेतों में लगी फसलों पर सिंचाई करने में असमर्थ होते हैं जिससे उन्हें कई तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कमलनाथ ने खराब हो चुके ट्रांसफार्मरों को सुधारने के उपरांत पुनः लगाये जाने पर उनकी गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठाये थे। जिले के समस्त बिजली उपभोक्ताओं को पर्याप्त व नियमित बिजली उपलब्ध कराने हेतु व्यवस्था बनाने का आग्रह संजय दुबे, मप्र शासन के ऊर्जा एवं नवीन व नवीनीकरण विभाग प्रमुख सचिव से किया था।पूर्व सीएम कमलनाथ के पत्र के अवलोकन उपरांत संजय दुबे प्रमुख सचिव ऊर्जा ने अपने प्रेषित पत्र में कहा कि वितरण कंपनी के द्वारा पूर्व में स्थापित विद्युत ट्रांसफार्मरों से छिन्दवाड़ा क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति सुचारू रूप से की जा रही है। आवश्यकतानुसार पुराने ट्रांसफार्मरों की क्षमतावृद्धि अथवा उनके स्थान पर नये ट्रांसफार्मर लगाये जाने के कार्य भी क्षेत्र में किये जा रहे हैं व भविष्य में भी किये जावेंगे। उन्होंने आगे कहा कि पुराने ट्रांसफार्मरों को सुधार कर उपयोग में लाना, नये ट्रांसफार्मर लगाने की तुलना में कम व्यय वाला कार्य होता है, किन्तु सुधार कार्य के उपरांत ट्रांसफार्मरों के परीक्षण हेतु प्रयोगशालायें स्थापित की जा रही है ताकि उनकी गुणवत्ता जांची जा सके।

कांग्रेस बिजली समस्या निवारण प्रकोष्ठ में हुई नियुक्तियां

छिन्दवाड़ा । प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व जिले के सांसद नकुलनाथ के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस बिजली समस्या निवारण प्रकोष्ठ में नवनियुक्तियां की गई। जुझारू व कर्मठ युवाओं को बिजली समस्या निवारण प्रकोष्ठ में ब्लॉक अध्यक्ष व प्रभारी मनोनीत किये गये हैं। नवनियुक्त पदाधिकारियों को ब्लॉकवार जिम्मेदारी सौंपी गई है

नि:शुल्क स्वास्थ व नेत्र जांच शिविर एवं लाड़ली बहना योजना के पंजीयन शिविर

डॉ बाबा साहब अम्बेडकर की जयन्ती मनाई

चौरई । परसोली ग्राम चौरई विधानसभा में बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर मुख्य अतिथि चौधरी चंद्रभान सिंह पूर्व मंत्री मप्र शासन ने शिविर का शुभारम्भ किया, बच्चों के द्वारा स्वागत गीत व सरस्वती वंदना की गई नि:शुल्क स्वास्थ व नेत्र जांच शिविर(मोतियाबिंद ऑपरेशन) एवं लाड़ली बहना योजना के पंजीयन हुए शिविर शुभारम्भ अवसर पर भाजपा नेता वीरेंद्र पटेल, संतोष पटेल नांदना, एडवोकेट रामे सिंह,नगरपालिका अध्यक्ष ठाकुर दान सिंह, पूर्व मण्डल अध्यक्ष डॉ विजेंद्र ठाकुर,नितिराज रघुवंशी, सत्येंद्र चौधरी, ग्राम सरपंच भुवन रघुवंशी, सचिव लेखराम डेहरिया जी, इंद्रभूषण पटेल, चंद्रभूषण पटेल, गुड्डू पटेल,पोहप सिंह, नामदेव, विद्युत विभाग के जे ई रोहित, आयुष पांजरा डॉ सतनामी, वाडिवाड़ा डॉ चंद्रकांत साहू व पटवारी ने दीप प्रज्वलित कर किया, इस अवसर पर जनाधिकार सेवा समिति के अध्यक्ष व शिविर संयोजक संदीप रघुवंशी ने समिति की ओर से लायन्स हॉस्पिटल परासिया, विवान्ता हॉस्पिटल व स्वास्थ्य विभाग, आयुष विभाग, जनपद पंचायत, नगरपालिका के कर्मचारियों व नेत्ररोगियों का स्वागत तिलक लगाकर किया व मोतियाबिंद मुक्त चौरई विधानसभा का संकल्प लिया और कागा की नर सेवा ही नारायण सेवा हैं इस शिविर के द्वारा निरंतर प्रत्येक ग्राम मे स्वास्थ सेवाए प्रदान की जा रही है, आगे भी हरसंभव प्रयास जारी रहेगा। इस अवसर पर समस्त जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओ व ग्रामवासियो से समिति ने अपील की है कि अधिक से अधिक जरुरतमंदो को इस पुण्य कार्य मे भेजनें हेतु निवेदन सभी से किया।

कतिया समाज का युवक युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन आज

छिन्दवाड़ा । कतिया समाज का युवक युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन ठाकुरदास नागवंशी जी ,सुखनंदन जावरे जी राष्ट्रीय अध्यक्ष ,गुरूचरण खरे जी के मुख्य आतिथ्य में दिनांक 16 अप्रैल 2023 दिन रविवार को पोआमा चैक से 500 मीटर की दूरी उमरेठ रोड़ नाना जी पैलेस एंड लॉन कुंडालीकला पर किया जा रहा है इस कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के सिवनी, बालाघाट, मंडला, जबलपुर, नरसिंहपुर, होशंगाबाद एवं बैतूल, खंडवा ,इंदौर एवं नागपुर से भी सामाजिक बंधु आ रहे हैं। जिसके प्रचार प्रसार हेतु अखिल कतिया समाज बहुउद्देशीय संस्था (राष्ट्रीय संगठन),कतिया समाज समिति कुंडालीकला, हरिसिंह बेलवंशी, कृष्ण कुमार खोबरे, डी.आर.आरसे ,मनोज जौहरे, प्रदीप शिववंशी, सचिन, दिनेश ढाकरिया, मोहन बेलवंशी ऊर्जा, पवन नाग, नीरज शिववेश सामाजिक बंधु द्वारा गांव गांव पहुंचकर परिचय सम्मेलन में सभी को आमंत्रित किया जा रहा है। आप सभी सामाजिक बंधुओं से निवेदन है कि कार्यक्रम में उपस्थित होवे।

ग्राम जामसांवली और बोरगांव की गौ-शालाओं का किया निरीक्षण

छिन्दवाड़ा । कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत पार्थ जैसवाल के मार्गनिर्देशन में उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी डॉ.एच.जी.एस.पक्षवार द्वारा गत दिवस जिले के विकासखण्ड सौंसर के ग्राम जाम सांवली और बोरगांव की गौ-शालाओं का आकस्मिक निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान गौ-शाला के नोडल अधिकारी डॉ.कमलशंकर धुर्वे, डॉ.बबीता उइके और गौ-शाला भौतिक सत्यापन समिति के सदस्य, लेखापाल राजकुमार बंसोड़ व अन्नपूर्णा गौ-शाला की संचालक सुश्री वर्षा सोनी उपस्थित थीं । उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी डॉ.पक्षवार ने बताया कि ग्राम जाम सांवली स्थित बजरंग गौ-शाला के निरीक्षण में 155 गौ-वंश पाये गये। पानी की पर्याप्त व्यवस्था पाई गई। गौ-शाला संचालक को भूसा क्रय करने के निर्देश दिये गये । इसी प्रकार ग्राम बोरगांव स्थित अन्नपूर्णा गौ-शाला में 107 गौ-वंश पाये गये। पानी की पर्याप्त व्यवस्था पाई गई व 80 बैग स्वर्णदाना पाया गया। गौ-शाला संचालक को भूसा क्रय करने के निर्देश दिये गये । उन्होंने बताया कि इस गौ-शाला में गोबर के कण्डे का निर्माण किया जा रहा है। लगभग 100 किलोग्राम वर्मी कम्पोस्ट का निर्माण हो रहा है और गौ-शाला द्वारा 20 हजार रुपये की खाद का विक्रय किया जा चुका है ।

अभिभावकों से पुस्तक और ड्रेस के नाम पर की जा रही खुली लूट

विरोध में एन.एस.यू.आई. ने सौंपा ज्ञापन

छिंदवाड़ा । छिंदवाड़ा विधानसभा एन.एस.यू.आई. महासचिव तनुल शर्मा के नेतृत्व में जिले में अभिभावको से पुस्तक और ड्रेस के नाम पर की जा रही खुली लूट के विरोध में जिला शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा । उन्होनें आरोप लगाया कि प्रतिवर्ष प्रायवेट स्कूल संचालकों द्वारा अपने-अपने स्कूलों की पुस्तकें बदल दी जाती है, जिसके कारण व्यापारी अभिभावकों से मनमानी कीमत वसूलते हैं, इतना ही कई स्टेशनरी व्यवसासियों से तो स्कूल संचालकों की सांठ-गांठ होने के कारण लाखों रूपयों का कमीशन वसूला जाता है, ऐसी स्थिति में साधारण परिवार के लोग अपने बच्चों को समय पर पुस्तकें नहीं दिलवा पाते । इसलिये यह सुनिश्चित किया जावे कि सभी प्रायवेट स्कूलों में एन.सी. आर.टी. ही की बुक चलायी जावे और यह सुनिश्चित किया जावे कि एन.सी.आर.टी. की पुस्तकें अभिभावक शहर की किसी भी स्टेशनरी की दुकान से उचित दर पर क्रय कर सकें न कि एक ही स्टेशनरी संचालक से । इसी तरह से अधिकांश प्रायवेट स्कूलों में बच्चों की ड्रेस खरीदने के लिये चुनिन्दा दुकानां को ही इनके द्वारा चिन्हित किया गया है, क्योंकि इनकी इन दुकानदारों से सेटिंग रहती है और लाखों रूपये की वसूली ड्रेस के नाम पर ही करते हैं, इसलिये यह सुनिश्चित किया जावे कि जिले के सभी प्रायवेट स्कूल की ड्रेस सभी किसी भी कपड़ा व्यापारी से क्रय की जा सके जिससे कि अभिभावकों को एक निश्चित दर पर ड्रेस उपलब्ध हो सकेगी । आज जिले के लगभग 80 प्रतिशत अभिभावक अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलवाना चाहते हैं इसलिये उनके द्वारा मजबूरन इन प्रायवेट स्कूलों को प्रतिमाह हजारों रूपये फीस देकर अपने बच्चों को प्रवेश दिलवाने पर मजबूर होना पड़ रहा है, वहीं दूसरी ओर इन स्कूल संचालकों के द्वारा शासन के निर्देश देने के बावजूद अभिभावकों से मनमानी फीस वसूली जा रही है एवं फीस की राशि में प्रतिवर्ष नये सेशन में हजारों रूपये की बढ़ोतरी की जाती है, जिससे कई अभिभावक अपने बच्चों को आगे अच्छी शिक्षा दिलवाने में असमर्थ रहते हैं । एन.एस.यू.आई. आपसे मांग करती है कि इन स्कूल संचालकों को निर्देश दिया जावे कि सभी प्रायवेट स्कूलों में एन.सी.आर.टी. की ही पुस्तकें चलायी जावे और सभी प्रायवेट स्कूलों की ड्रेस जिले के समस्त कपड़ा व्यापारियों के पास आसानी से उपलब्ध करायी जावे एवं जिले के सभी प्रायवेट स्कूलों में एक निश्चित फीस निर्धारित की जावे।

भारत के संविधान निर्माता
भारत रत्न
बाबा साहेब अम्बेडकर की 132वीं जयन्ती पर

बाबा साहेब अम्बेडकर महाकुंभ

16 अप्रैल, 2023 | पूर्वाह्न 11:00 बजे
मेला ग्राउंड, ग्वालियर, मध्यप्रदेश

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री

मुख्य अतिथि
शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

विशिष्ट अतिथि
नरेन्द्र सिंह तोमर
केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री
भारत सरकार

ज्योतिरादित्य सिंधिया
केन्द्रीय नागरिक विमानन एवं इस्पात मंत्री
भारत सरकार

लोकार्पण एवं शिलान्यास
₹ 61 करोड़ 33 लाख से अधिक लागत के अनुसूचित जाति बालक-बालिका छात्रावास

मध्यप्रदेश सरकार का प्रयास सबका समान विकास

- वर्ष 2023-24 में अनुसूचित जाति कल्याण के लिए ₹ 2 हजार 162 करोड़ से अधिक के बजट का प्रावधान
- 1933 छात्रावासों में 85 हजार से अधिक विद्यार्थी ले रहे अध्ययन का लाभ
- विगत तीन वर्षों में 50 लाख 84 हजार विद्यार्थियों को ₹ 1 हजार 574 करोड़ की छात्रवृत्तियां वितरित
- 8 हजार से अधिक युवाओं को रोजगारोन्मुखी कौशल प्रशिक्षण
- प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत 1 हजार 74 गांवों का समेकित विकास
- विगत तीन वर्षों में अनुसूचित जाति के 55 लाख 73 हजार से अधिक हितग्राही ₹ 2600 करोड़ से हुए लाभान्वित

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents DDMP @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

अनुसूचित जाति कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश शासन

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
D-1101/23
आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2023